इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

प्राचार्या रिपोर्ट
2023

प्राचार्या रिपोर्ट 2023

प्राचार्या की कलम से…………………………………………………………………..……3

प्रशंसा-पत्र………………………………………………………………………………13

कर्मचारियों के प्रति आभार………………………………………………..………14

विश्वविद्यालय स्तर पर प्राप्त स्थान…………………………………………………15

महाविद्यालय पुरस्कार……………………………………………………………16

संकाय सदस्यों की उपलब्धियाँ……………………………………………………..29

ग़ैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की उपलब्धियाँ………………………………………..…32

छात्राओं की उपलब्धियाँ……………………………………………………………..34

विभागीय शैक्षणिक उपलब्धियाँ…………………………………………………39

राष्ट्रीय सेवा योजना………………………………………………………………51

राष्ट्रीय कैडेट कोर……………………………………………………… …...54

रोज़गार मार्गदर्शन और भर्ती, चयन, नियोजन प्रकोष्ठ…………………………..56

समान अवसर प्रकोष्ठ……………………………………………………………...59

सक्षम इकाई………………………………………………………………………...61

महिला विकास प्रकोष्ठ…………………………………………………………63

गांधी स्टडी सर्कल…………………………………………………………………65

अकादमिक-सांस्कृतिक संयोजन…………………………………………………67

अनंता – विज्ञान समिति……………………………………………………………67

पाठ्येतर गतिविधियाँ (ई.सी.ए.) ……………………………………….………..70

खेल-कूद…………………………………………………..…….……………… 75

पुस्तकालय………………………………………………………….………………77

प्रवेश 2023-2024………………………………………………………………..…82

विद्यार्थियों को प्राप्त वित्तीय सहायता 2023-2024…………………………….……..85

सेवानिवृत्ति…………………………………………………………………………86

शोक-संदेश……………………………………………………………………… 87

प्राचार्या की कलम से

इस गौरवपूर्ण शताब्दी दिवस की शोभा बढ़ा रहे परम आदरणीय मुख्य अतिथि भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी, दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मानित कुलपति प्रोफ़ेसर योगेश सिंह जी, शासी निकाय के सम्मानित अध्यक्ष श्री आलोक राम जी, शासी निकाय के सदस्य, सहकर्मियों और प्रिय छात्राओं, मैं इस विशेष अवसर पर आपका स्वागत और अभिनंदन करती हूँ। यह शताब्दी वर्ष इस महाविद्यालय की छात्राओं की देशभक्ति, साहस और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना का प्रतीक है।यह वर्ष जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली हमारी छात्राओं के आत्मविश्वास और स्वाधीन चेतना की एक सदी का प्रतिनिधित्व करता है। यह पंक्तियाँ उनकी शक्ति और सामर्थ्य को सटीक रूप में अभिव्यक्त करती हैं :

'करुणा के सागर को धार बनाकर
तुम भी लहरों सी हुंकार भरो
अबला नहीं हो तुम नारी
इस बात का अभिमान करो।'

बीती एक सदी के इतिहास को अपने अंदर संजोने वाले इस ऐतिहासिक शताब्दी समारोह का हिस्सा बनने के लिए मैं आप सबको आमंत्रित करती हूँ। इस मंच की शोभा बढ़ा रहे भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जो को अपने बीच पाकर हम सब आज गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। आपके बहुआयामी व्यक्तित्व से प्रत्येक भारतवासी परिचित है। इससे पहले आप पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में कार्यरत थे। आपका क़ानून और राजनीति के क्षेत्र में विशेष योगदान रहा है। आप भारत के सर्वोच्च न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में कार्यरत रहे हैं। आपने लोकसभा और राजस्थान विधानसभा की महत्त्वपूर्ण समितियों को भी सुशोभित किया है। भारतीय विधि संस्थान, भारतीय मध्यस्थता परिषद, आई.सी.सी. मध्यस्थता आयोग और आई.सी.सी. मध्यस्थता न्यायालय के आप आजीवन सदस्य हैं। खेल प्रेमी, श्री धनखड़ जी राजस्थान ओलंपिक असोसिएशन और राजस्थान टेनिस असोसिएशन के अध्यक्ष का पद भी सुशोभित कर चुके हैं।आपके इस विराट व्यक्तित्व के लिए आदरणीय अटल जी की एक कविता याद आती है:

क्या हार में क्या जीत में

किंचित नहीं भयभीत मैं

कर्तव्य पथ पर जो भी मिला

यह भी सही वह भी सही

वरदान नहीं माँगूंगा

हो कुछ पर हार नहीं मानूंगा।

आज के विशेष अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रोफ़ेसर योगेश सिंह जी का सानिध्य हमारे लिए सम्मान और गौरव का क्षण है। आपने 8 अक्टूबर 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के 23वें कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण किया। इससे पहले प्रोफ़ेसर सिंह ने दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तीसरे कुलपति के रूप में कार्य किया। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि सर 35 वर्ष की आयु में गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के 'स्कूल ऑफ़ इन्फ़र्मेशन एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी' में कम्प्यूटर इंजीनियरिंग के प्रोफ़ेसर बन गए थे। इन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के 'स्कूल ऑफ़ इन्फ़र्मेशन एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी के डीन (2001-06), निदेशक, विद्यार्थी कल्याण (2006-09) गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक (2006-09) जैसी अनेक प्रशासनिक ज़िम्मेदारियाँ (2006-11) निभाईं।

सर 45 वर्ष की आयु में महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात के 16वें कुलपति बने। प्रो. सिंह एक उत्कृष्ट शिक्षाविद् हैं। आप बड़े और ऊँचे सपने देखने और उन्हें पूरा करने में विश्वास करते हैं। आप बदलाव लाने का साहस रखने वाले निर्णायक नेता और प्रिय शिक्षाविद् हैं जिन्होंने असंख्य विद्यार्थियों के साथ-साथ अपने सहयोगियों और साथियों के जीवन को भी प्रभावित किया है। आपकी गरिमामयी उपस्थिति से महाविद्यालय परिवार अभिभूत है। आपके प्रति भी हम कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं।

इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय का स्वर्णिम इतिहास यहाँ की प्रतिष्ठित पूर्व छात्राओं के प्रभावशाली योगदान से बुना गया है। हमारी छात्राएं बदलाव की सूत्रधार रही हैं और अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों के माध्यम से संस्थान के गौरव को हमेशा बढ़ाया है। इन छात्राओं ने शिक्षा,व्यवसाय आदि विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावशाली भूमिका निभाकर महिला सशक्तिकरण के प्रति महाविद्यालय की प्रतिबद्धता को जीवंत आधार प्रदान किया है । हमारी छात्राओं उपलब्धियाँ इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय की स्थायी विरासत हैं।

शताब्दी समारोह के इस मंच से, मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि इस वर्ष स्थायी संकाय की नियुक्ति का बहुत बड़ा कार्य सफलतापूर्वक किया गया है। इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में 123 संकाय सदस्यों की नियुक्ति की गई हैं। मैं भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), माननीय कुलपति महोदय,

महाविद्यालयों के डीन, शासी निकाय के अध्यक्ष तथा सदस्यों और सभी सहकर्मियों को धन्यवाद देती हूँ जिन्होंने इस प्रक्रिया को सुचारु रूप से पूरा करने में अथक प्रयास और सहयोग किया है।

महाविद्यालय द्वारा विविध शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों का आरम्भ करते हुए 15 मार्च, 2023 को सशक्तिकरण कार्यक्रम 'अस्तित्व' के साथ शताब्दी यात्रा की शुरुआत हुई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के इस समारोह में लेफ्टिनेंट कर्नल रेणुका हार्ने, वी.एस.एम. ने छात्राओं को भारतीय सेना में करियर तलाशने के लिए प्रेरित किया। 20 मार्च 2023 को, महाविद्यालय ने चौदह यू.एस.आई.ई.एफ़.विद्वानों के एक प्रतिनिधिमंडल की मेज़बानी की, जिसमें 'फुलब्राइट-नेहरू इंटरनैशनल एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेटर' और सेमिनार प्रतिभागी शामिल थे। इस यात्रा में महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग, विद्यार्थी-नेतृत्व संबंधित कार्यक्रम और कैंपस दौरे पर प्रस्तुतियां की गईं। संकाय के साथ रोचक बातचीत ने सहयोगात्मक अनुसंधान के अवसरों की खोज का अवसर प्रदान किया।

विश्व जल दिवस के अवसर पर, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा जल शक्ति मंत्रालय के राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा प्रायोजित 'छठी संगोष्ठीः गंगा संवाद' शीर्षक पर एक चर्चा का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया गया। महाविद्यालय के वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव, 'श्रुति' का भव्य उद्घाटन 27 मार्च को टाइम्स नाउ की प्रधान संपादक सुश्री नविका कुमार द्वारा मास्टरक्लास के साथ हुआ।

16 मई को, इंडिया-स्लोवानिया इंटैलेक्चुअल डायलॉग 2023 के दौरान, स्लोवेनिया की माननीय राजदूत सुश्री मतेजा वोडेब घोष ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय की प्राचार्या को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। हमारे महाविद्यालय को 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'राष्ट्रीय शिक्षा और जागरुकता पुरस्कार' प्रदान किया गया। इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय ने 5 जून से 9 जून तक भारतीय रिमोट सेंसिंग संस्थान, इसरो देहरादून द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक नोडल कार्यालय के रूप में सहभागिता की ।

आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी की 'हर घर ध्यान' पहल का सम्मान करते हुए, 23 जून को आर्ट ऑफ़ लिविंग की प्रसिद्ध सार्वजनिक वक्ता सुश्री लालिमा अनेजा डांग द्वारा ध्यान पर एक सत्र आयोजित किया गया।

‘स्वच्छ भारत’ अभियान का सम्मान और समर्थन करते हुए, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सहयोग से 3 जुलाई को महाविद्यालय परिसर में अपशिष्ट पृथक्करण अभियान का आयोजन किया गया। भारत का 77वां स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को महाविद्यालय परिसर में शिक्षण और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान 16-22 अगस्त तक ‘मेरी माटी मेरा देश’ के तहत आयोजित पतंगबाज़ी कार्यशाला का भी उद्घाटन हुआ। इस वर्ष रक्षा बंधन का पर्व इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय के लिए विशेष था क्योंकि 30 छात्राओं और संकाय सदस्यों की एक टीम ने दिल्ली छावनी में तैनात राजपूताना राइफ़ल्स रेजिमेंट के अग्निवीरों के हाथों में राखी बांधकर मनाया।

31 अगस्त को सुश्री नीलाक्षी खंडकर द्वारा, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के जोनल कार्यालय (उत्तर) के सहयोग से कथक की प्रस्तुति की गयी। महाविद्यालय प्रांगड़ में 4 और 5 सितंबर, 2023 को सेमिनार और कार्यशालाओं सहित कई ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें 'वैदिक गणित', प्रथम विश्व युद्ध के भारतीय नायक, पाणिनी की अष्टाध्यायी और भारतीय महिलाओं के सशक्तिकरण पर विस्तार से चर्चा परिचर्चा का दौर चला। श्री रवि कुमार अय्यर, डॉ. चिवुकुला श्री राम प्रभु और डॉ. वसुधा गुप्ता जैसे प्रख्यात वक्ताओं ने भारत की सांस्कृतिक समृद्धि पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को अनेक ज्ञानवर्धक तथ्यों से परिचित करवाया।

कार्यक्रमों की इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए 12 सितंबर को आयोजित ‘डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम’ में सुरक्षित धन हस्तांतरण और डिजिटल धोखाधड़ी के खिलाफ सावधानियों पर प्रकाश डाला गया। 15 सितंबर को लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. राजन गुप्ता द्वारा आयोजित ‘भारतीय आर्मी कॉलिंग’ सत्र में सेना में महिलाओं की अभिन्न भूमिका, भर्ती के तरीकों और बढ़े हुए अवसरों पर प्रकाश डाला। ट्रेडमार्क, औद्योगिक डिजाइन और कॉपीराइट पर ‘बौद्धिक संपदा अधिकार’ विषय पर चर्चा परिचर्चा 20 सितंबर को प्रोफ़ेसर पुष्पा कुमार द्वारा शुरू की गई, जिसमें रचनात्मकता संरक्षण में सामाजिक संतुलन पर जोर दिया गया। श्री विश्व विजयेंद्र प्रसाद, संसद सदस्य ने ‘भारतीय सिनेमा में कहानी कहने की कला’ विषय पर चर्चा की।

“स्वच्छता ही सेवा अभियान” के अंतर्गत हुए राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम ‘एक तारीख-एक घंटा’ की परिकल्पना का इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय ने सच्चे अर्थों में परिपालन किया। मेरे साथ 60 छात्राओं और 50 संकाय सदस्यों के एक समर्पित दल ने खैबर पास क्षेत्र में स्वच्छता अभियान और

जागरुकता अभियान में शामिल होकर सामुदायिक सेवा को समर्पित करते हुए वहां के निवासियों के लिए क्षेत्र का दौरा किया और श्रमदान किया।

उधमोद्य फाउंडेशन, करियर डेवलपमेंट सेंटर-समर्थ भारत के सहयोग से स्टार्ट-अप कॉन्क्लेव के लिए कर्टेन रेज़र कार्यक्रम 9 अक्टूबर को आयोजित किया गया था। उधमोद्य फाउंडेशन के संयुक्त सीईओ डॉ.अभिषेक टंडन और समर्थ भारत के सदस्य तथा उधमोद्य फाउंडेशन के निदेशक श्री भारत भूषण अरोड़ा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे जहां उन्होंने स्टार्ट-अप एक्सेलेरेटर प्रोग्राम (एसएपी) की घोषणा की। इस कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालों के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के साथ 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

16 अक्टूबर को, 'अमृत कलश यात्रा' के माध्यम से 'मृदा संरक्षण' और हमारे 'राष्ट्रीय नायकों' को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी; जिसमें संसद सदस्य श्री मनोज तिवारी भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम ने छात्राओं को देशभक्ति से भर दिया। 27 सितम्बर के दिन एनसीसी का नवीनीकरण किया गया जो इन्द्रप्रस्थ परिवार के लिए महत्वपूर्ण क्षण था। इस उपलक्ष्य में, 17 अक्टूबर को महाविद्यालय परिसर में मेजर जनरल संजय विश्वासराव, एडीजी, एनसीसी, दिल्ली की उपस्थिति में एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया था।

25 अक्टूबर, 2023 को विकसित भारत मिशन-1947 से 2047 पर एक परिचर्चा का संचालन रेडहैट, यू.एस.ए. से श्री अशर सईद और थिंकस्ट्रीट टेक्नोलॉजीज़ से श्री उदय रघुनाथ बिरजे जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा किया गया था। 31 अक्टूबर को 'ऐक्यम' ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करते हुए राष्ट्रीय एकता का उत्सव मनाया। हमारे सम्मानित अतिथि श्री विजय गोयल जी ने 'खादी पर चर्चा' विषय पर व्याख्यान दिया और महाविद्यालय परिसर में आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' में भाग लिया। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय की छात्राओं और संकाय सदस्यों ने भारतीय संसद के संविधान सदन में जाकर सरदार वल्लभाई पटेल की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। 7-8 नवंबर, 2023 को आयोजित 'जी-20 अकादमिक-कल्चरल इंडलजेंसः 50 ईयर्स ऑफ़ साउथ कोरिया-भारत फ्रैंडशिप' कार्यक्रम अत्यंत सफल और शानदार था, इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक फ़ोटो प्रदर्शनी, पैनल चर्चा, के-पॉप डांस प्रतियोगिता और इंडो-कोरियाई आहार उत्सव शामिल थे। इसमें भागीदारी कर रहे देश दक्षिण कोरिया के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय की संस्कृति परिषद के परस्पर सहयोगात्मक प्रयास से 50 वर्षों के साझा सौहार्द्र पर प्रकाश डाला। इस

अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफ़ेसर योगेश सिंह जी ने महाविद्यालय की सराहना की जो हम सबके लिए गर्व का विषय है।

12 दिसंबर, 2023 को 'यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम पर ओपन माइक' के आयोजन ने सुरक्षित वातावरण के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया और इसके साथ ही वर्ष भर चलने वाली विभिन्न गतिविधियों का समापन हुआ।

इस विविधरूपी यात्रा ने शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक चेतना के साथ उत्कृष्टता की एक सदी का उत्सव मनाते हुए, समग्र शिक्षा और विकास के लिए महाविद्यालय की प्रतिबद्धता को मुखरित किया।

इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय का शताब्दी वर्ष, 'विकसित भारत 2047 युवाओं की आवाज़ अभियान' के आरंभ से मनाया जा रहा है। महाविद्यालय ने छात्राओं की सक्रियता और भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करते हुए इससे संबंधित अनेक कार्यक्रम शुरू किए हैं। हमारा महाविद्यालय 'वसुधैव कुटुंबकम' के दर्शन का अनुपालन करता है और प्रगति के उस पथ पर चलता है जो 'विश्व-गुरु' के रूप में भारत ने सम्पूर्ण विश्व को सिखाया है।

शैक्षिक साझेदारी बढ़ाने और शिक्षा के क्षेत्र में नए क्षेत्रों का अनुसंधान करने के लिए, इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय ने केन्या देश के तीन विश्वविद्यालयों- मासाई मारा यूनिवर्सिटी, केन्याटा यूनिवर्सिटी और नैरोबी यूनिवर्सिटी के साथ सफलतापूर्वक समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए हैं। महाविद्यालय ने सर्टिफ़िकेट कोर्स के लिए यूनेस्को 'स्पॉटलाइट रेड' के साथ भी एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। कोर्स के सफल समापन के बाद 'रेड एंबेसेडर' भारत में मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रबंधन (एम.एच.एच.एम.) के लिए काम करेंगे। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारे महाविद्यालय ने गर्व के साथ 'नेचर पॉज़िटिव यूनिवर्सिटी' के साथ गठबंधन किया है। यह गठबंधन संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यू.एन.ई.पी.) और ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय की पहल है। इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में अधिकतम संख्या में विद्यार्थियों को सुविधा प्रदान करने में सफल रहा है। यहाँ पर वर्तमान में नेचर पॉज़िटिव के साथ 653 छात्राओं को पंजीकृत किया गया है।

अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में अपनी यात्रा को जारी रखते हुए, इस वर्ष 75 से अधिक संकाय सदस्यों ने अकादमिक लेखन के क्षेत्र में योगदान दिया है। नौ संकाय सदस्यों ने पुस्तकें लिखी और संपादित की हैं, 18 ने पुस्तक अध्यायों में योगदान दिया है और 68 संकाय

सदस्यों ने शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। पांच संकाय सदस्यों ने आई.सी.एस.एस.आर. और जे.ई.टी.आर.ई.जी. जैसी विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ परियोजनाओं में सहयोग किया है और 50 संकाय सदस्यों ने अपने नवीन शोध निष्कर्ष प्रस्तुत किए हैं। इसी प्रकार 50 संकाय सदस्यों ने विभिन्न क्षमताओं में संसाधन व्यक्तियों के रूप में विभिन्न सम्मेलनों और सेमिनारों में अपनी विशेषज्ञता साझा की है। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों के साथ आगे रहने और विकसित भारत में योगदान देने के लिए 60 से अधिक संकाय सदस्यों ने संकाय विकास एवं प्रेरण कार्यक्रम (एफ़.डी.पी. तथा एफ़.आई.पी.) और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का पालन करते हुए, 24 संकाय सदस्यों ने पाठ्यक्रम विकास और संशोधन में योगदान दिया। मैं महाविद्यालय के उन छ: संकाय सदस्यों को भी हार्दिक बधाई देती हूँ जिन्हें वर्ष 2023 में डॉक्टरेट की डिग्री से सम्मानित किया गया है।

इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय की छात्राएं लगातार प्रशंसा और विशिष्टताएं हासिल करके महाविद्यालय का नाम रौशन कर रही हैं। उत्कृष्टता के प्रति उनका समर्पण संस्थान पर सकारात्मक प्रभाव डालता है और अकादमिक समुदाय के भीतर सफलता और गौरव की विरासत स्थापित करता है। मुझे आपसे यह साझा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि हमारी स्नातक की छात्राओं ने शोध लेखों, कविताओं और समाचार पत्रों के लेखों के रूप में 70 से अधिक प्रकाशनों में योगदान दिया है। 40 छात्राओं ने विश्वविद्यालय स्तर पर वाद-विवाद, संगोष्ठी, प्रश्नोत्तरी जैसे साहित्यिक और सांस्कृतिक उत्सवों में भाग लिया और योगदान दिया है। दस छात्राओं ने विभिन्न पुरस्कार और प्रशंसा पत्र प्राप्त किए हैं। राज्य और राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में 15 छात्राओं ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया।12 छात्राओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महाविद्यालय का शानदार प्रतिनिधित्व किया। इनमें से कुछ का उल्लेख करें तो सुश्री रिया सिन्हा, बी.ए. (विशेष) मनोविज्ञान ने नवंबर, 2023 में आयोजित तीसरी उत्तर भारत ज़ोन कराटे चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। शारीरिक विकास के साथ-साथ रचनात्मक सोच के प्रति उत्साह को ध्यान में रखते हुए, सुश्री आरुषि कोटवाल बी.ए. (विशेष) राजनीति विज्ञान ने जम्मू-कश्मीर यू.टी. महिला शतरंज चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। सुश्री अनन्या पांडे बी.ए. (विशेष) दर्शनशास्त्र ने खेल भावना को जारी रखते हुए और 'फिट इंडिया' मिशन को साकार करते हुए, एक और स्वर्ण पदक अगस्त 2023 में आयोजित छत्तीसगढ़ स्टेट क्लोज़ चैंपियनशिप में हासिल किया। सुश्री रान्या राणा बी.ए. (विशेष) राजनीति विज्ञान ने अंडर 19 बैडमिंटन स्टेट चैंपियनशिप में पहला स्थान हासिल

कर हमारा मान बढ़ाया। मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हमारी छात्रा, सुश्री प्राची तिवारी बी.ए. (विशेष) संस्कृत ने दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित संस्कृत ओलंपियाड में प्रथम स्थान हासिल किया है।

महाविद्यालय का एन.एस.एस.विंग, सामुदायिक सेवा की भावना विकसित करने वाला प्रमुख स्रोत है। इसका प्रमाण रूप मैं आपसे साझा करना चाहती हूं कि सुश्री काशिका बजाज बी.ए. (विशेष) समाजशास्त्र ने एम.एम.पी.जी. कॉलेज, फ़तेहाबाद, हरियाणा में 12 दिवसीय शिविर में 17 अन्य छात्राओं के साथ दिल्ली दल का प्रतिनिधित्व किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मज़बूत पहचान स्थापित करते हुए, सुश्री शिवानी राज बी.ए. (विशेष) राजनीति विज्ञान ने बेकन अकादमी, इंडोनेशिया में सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि का प्रमाण-पत्र प्राप्त किया। मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि बी.ए. (विशेष) संगीत की हमारी एक दृष्टिबाधित छात्रा, सुश्री सपना अहिरवार तबला वादन में विशेषज्ञता हासिल करने वाली दिल्ली विश्वविद्यालय की एकमात्र छात्रा है।

वर्ष 2023 में, हमारे महाविद्यालय ने एक विविध विद्यार्थी निकाय को अपनाया है, जिसमें 1416 स्नातक और 123 स्नातकोत्तर उम्मीदवारों का नामांकन हुआ है। इनमें आठ अलग-अलग देशों के 12 प्रतिभाशाली व्यक्ति शामिल हैं। सामाजिक कर्तव्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, हमने 90 छात्राओं को पूर्ण छात्र शुल्क में पूर्ण छूट दी है, जबकि 400 छात्राओं को आंशिक शुल्क माफ़ी का लाभ मिला है। महाविद्यालय, दो छात्रावासों में आवासीय सुविधा प्रदान करता है, जहां 14 छात्राओं को शुल्क में आंशिक छूट मिलती है। समावेशिता को कायम रखते हुए, हमने 80 दिव्यांग छात्राओं को पूर्ण शुल्क छूट और 18 दिव्यांग छात्राओं को छात्रावास शुल्क में आंशिक छूट दी है। बाहरी सहयोग को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार करते हुए महाविद्यालय ने विभिन्न संगठनों से 249 छात्राओं के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त की है।

इस प्रतिष्ठित संस्थान की 100वीं वर्षगांठ मनाने के लिए, हम अपनी प्रतिष्ठित वार्षिक पत्रिका, आरोह के साथ-साथ उत्कृष्ट साहित्यिक कृतियों की एक श्रृंखला प्रारंभ कर रहे हैं। आरोह, जिसका भाव पहाड़ों की विशाल महिमा को प्रतिबिंबित करता है, यह पत्रिका इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय की छात्राओं के अंतस में गूंजती गहन भावनाओं को खूबसूरती और मार्मिकता से दर्शाती है। आरोह-2023 का विशेष संस्करण जिसका शीर्षक 'स्पैक्ट्रम ऑफ़ ड्रीम्सः फ़्रॉम अमृत काल टू कर्तव्य काल' है, इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय की भावनाओं को समाहित करता है।

हम जैसे-जैसे इसके पन्ने पलटते हैं, सदी से अर्जित ज्ञान और सृजन पर आधारित काल-यात्रा शुरू हो जाती है।

आज, इस महाविद्यालय ने बहुत गर्व के साथ अपनी पहली कॉफी टेबल बुक, 'फ़्रॉम द ऐंगल्स ऑफ़ हिस्ट्री' का अनावरण किया। 1904 में इन्द्रप्रस्थ हिंदू कन्या शिक्षालय से लेकर इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के रूप में इसकी वर्तमान स्थिति तक इसकी जड़ों का पता लगाते हुए, यह पुस्तक संस्थान के गतिशील विकास को दर्शाती है। यह इस महाविद्यालय की जीवंत विरासत को आकार देने में इसके संस्थापकों, संकाय सदस्यों, पूर्व छात्राओं और शुभचिंतकों के सामूहिक प्रयासों को स्वीकारते हुए उनका सम्मान करती है। यह पुस्तक राष्ट्र की पुकार पर आगे बढ़ने वाली महिलाओं का विशेष उल्लेख करते हुए, परिवर्तनशीलता और वचनबद्धता की स्वर्णिम यात्रा का अनुभव प्रदान करती है।

इस कार्यक्रम में उपस्थित समस्त इन्द्रप्रस्थ परिवार का एक ध्येय है - इस महविद्यालय की प्रगति और विकास। इसके लिए हम सब मिलकर कार्य कर रहे हैं। मेरे सभी सहयोगियों, छात्राओं के लिए अटल जी की यह कविता प्रेरणा का काम करती है :

कदम मिला कर चलना होगा

बाधाएँ आती हैं आएँ

घिरें प्रलय की घोर घटाएँ,

पाँवों के नीचे अंगारे,

सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ,

निज हाथों में हँसते-हँसते,

आग लगाकर जलना होगा,

कदम मिला कर चलना होगा।

हास्य-रुदन में, तूफ़ानों में,

अगर असंख्यक बलिदानों में,

उद्यानों में, वीरानों में,

अपमानों में, सम्मानों में,

उन्नत मस्तक, उभरा सीना,

पीड़ाओं में पालना होगा,

कदम मिलाकर चलना होगा...

एक बार पुनः आप सभी का बहुत-बहुत आभार।

प्रशंसा-पत्र

यह प्रशंसा पत्र गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों को उनकी सेवा के प्रति ईमानदारी और अथक परिश्रम के सम्मान स्वरूप प्रदान किया जाता है।

महाविद्यालय आपके अटूट समर्पण, योगदान और प्रतिबद्धता की सराहना करता है।

नाम निम्नवत हैं :

1. **श्रीमती सुदेश पोसवाल** (पुस्तकालय सहायक)

2. **श्री अनिकेत कुमार** (कंप्यूटर लैब सहायक)

3. **श्री विनोद कुमार** (डाटा एंट्री ऑपरेटर)

कर्मचारियों के प्रति आभार

यह प्रशंसा पत्र इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के मालियों, सुरक्षा, सफाई और कैंटीन कर्मियों के अनवरत योगदान को ध्यान में रखते हुए प्रदान किया जाता है।

आपकी महाविद्यालय के प्रति कर्तव्य परायणता, संवेदनशीलता और निरंतर परिश्रम करने की क्षमता के कारण यह महाविद्यालय सुरक्षा, उद्यान, स्वछता और उत्कृष्ट खान-पान की व्यवस्था के क्षेत्र में प्रतिदिन नए कीर्तिमान बना रहा है।

आप सभी की ओर से किए गए उल्लेखनीय सहयोग के लिए महाविद्यालय परिवार आपका पुनः आभार प्रकट करता है और भविष्य में भी आपकी सहभागिता की अपेक्षा रखता है।

सहयोगी कर्मचारियों के नाम निम्नवत हैं :

माली राजेंद्र मौर्य, मन्नू खन्ना, मोहन लाल, जिले सिंह, ध्रुव राज, अहमदअली, हासिमअली, हौसला, राजेंद्र, लोकेश, मोहित
सुरक्षा कर्मचारी हीरा लाल, गरीब दास, निर्मला, गणेश त्रिपाठी, किसन भान दरी, देवेंद्र कुमार मल्ल, सुरेश कुमार, बासु देव, सोनी, दीपक कुमार, मोरव कुमार, गजेंद्र सिंजोह, ममतेश, रेनू, बबिता, तरसेम कुमार, घन श्याम, वृष भानु, भारत सिंह, मोनिका, मुनेश देवी
सफाई कर्मचारी कुमारी सुनीता, राजू, कमल, हरेंद्र, प्रदीप कुमार
अन्य सहायक बनारसी, पप्पू, विशाल, किरण, अर्चना, सोनिया, सुनीता, गीता, रोहित, कविता, सुनीता, राखी, मधु, दीपा
कैंटीन कर्मचारी अशोक अनेजा, गिरीश, जितेंद्र (राजू), भानू प्रताप सिंह, प्रिंस सिंह, रामखेलावन, ईशा हक़, अनुराधा सिंह, रामकिशोर, राजकुमार टाटी, संजय, बुधिया ढल, अजू कुमार ढल, सुशील, राजाराम, गोपाल, अजीत रावत।

विश्वविद्यालय स्तर पर प्राप्त स्थान 2022-23

विद्यार्थी का नाम	विभाग	कक्षा	स्थान
गौरवी	दर्शनशास्त्र	बी.ए.(विशेष) द्वितीय वर्ष	प्रथम
अवलीन कौर	एमएमएमसी	बी.ए. (विशेष) प्रथम वर्ष	प्रथम
वृत्ति मेदिरत्ता	एमएमएमसी	बी.ए. (विशेष) द्वितीय वर्ष	प्रथम
देवांशा बाबले	एमएमएमसी	बी.ए. (विशेष) तृतीय वर्ष	प्रथम
प्रज्ञा गुप्ता	दर्शनशास्त्र	बी.ए. (विशेष) द्वितीय वर्ष	द्वितीय
इश्ति गुप्ता	मनोविज्ञान	एम.ए. (उत्तरार्द्ध)	द्वितीय
इशिता मेहता	मनोविज्ञान	बी.ए. (विशेष) तृतीय वर्ष	द्वितीय
मंगल चानु नामीराकपम	कंप्यूटर विज्ञान	बी.एस.सी. (विशेष) प्रथम वर्ष	द्वितीय
मान्या शर्मा	एमएमएमसी	बी.ए. (विशेष) प्रथम वर्ष	द्वितीय
अनन्या शुक्ला	एमएमएमसी	बी.ए. (विशेष) द्वितीय वर्ष	द्वितीय
सांची सिंघानिया	इतिहास	बी.ए. (विशेष) तृतीय वर्ष	तृतीय
दरिया खोकचेव	कंप्यूटर विज्ञान	बी.ए. (विशेष) प्रथम वर्ष	तृतीय
निकिता डे	कंप्यूटर विज्ञान	बी.ए. (विशेष) तृतीय वर्ष	तृतीय
देवांशी नेगी	मनोविज्ञान	एम.ए. (उत्तरार्द्ध)	तृतीय
सुकृति जुल्का	मनोविज्ञान	एम.ए. (उत्तरार्द्ध)	तृतीय
अनन्या पंडित	एमएमएमसी	बी.ए. (विशेष) प्रथम वर्ष	तृतीय
पीहू अरोड़ा	एमएमएमसी	बी.ए. (विशेष) द्वितीय वर्ष	तृतीय
विधि अनिल नानकानी	एमएमएमसी	बी.ए. (विशेष) तृतीय वर्ष	तृतीय
मेघा खन्ना	एमएमएमसी	बी.ए. (विशेष) तृतीय वर्ष	तृतीय

महाविद्यालय पुरस्कार

सर्वोत्कृष्ट छात्रा पुरस्कार

महाविद्यालय की सर्वोत्कृष्ट छात्रा के लिए श्री बृजबंस किशोर द्वारा स्थापित **राय बहादुर रघुनाथ सहाय पुरस्कार** बी.ए.(विशेष) इतिहास भाग 3 की **अनन्या राजौरिया** को प्रदान किया गया।

महाविद्यालय की सर्वोत्कृष्ट छात्रा के लिए श्रीमती मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित **मेजर जनरल वीरेंद्र सिंह पुरस्कार** बी.ए.(विशेष) संस्कृत भाग 3 की **अनामिका सिंह** को प्रदान किया गया।

महाविद्यालय की सर्वोत्कृष्ट छात्रा के लिए श्रीमती मीरा प्रदीप सिंह द्वारा **स्थापित मेजर जनरल वीरेंद्र सिंह पुरस्कार** बी.ए. (विशेष) दर्शनशास्त्र भाग 3 की छात्रा **गौरवी** को प्रदान किया गया।

महाविद्यालय की सर्वोत्कृष्ट छात्रा के लिए डॉ. मीना भार्गव द्वारा स्थापित **आनंद नारायण भार्गव पुरस्कार** बी.ए. (विशेष) भूगोल भाग 3 की **मेघा करण** को प्रदान किया गया

सर्वांगीण उत्कृष्टता पुरस्कार

सर्वांगीण उत्कृष्टता के लिए सुश्री इंद्रा चंद्रा द्वारा **स्थापित प्रोफ़ेसर राम देव और श्रीमती स्वर्ण चंद्रा पुरस्कार** बी.ए. (विशेष) मल्टीमीडिया एंड मासकम्युनिकेशन की **अनन्या शुक्ला** को प्रदान किया गया।

सर्वांगीण उत्कृष्टता के लिए श्रीमती मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित **मोहिनी वीरेंद्र सिंह पुरस्कार** बी.ए. (विशेष) भूगोल, तृतीय वर्ष की **भावना मंदा** को प्रदान किया गया।

सर्वांगीण उत्कृष्टता के लिए श्रीमती मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित **मोहिनी वीरेंद्र सिंह पुरस्कार** बी.ए. (प्रोग्राम) तृतीय वर्ष की **तन्नु** को प्रदान किया गया।

सर्वांगीण उत्कृष्टता के लिए श्रीमती मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित **मोहिनी वीरेंद्र सिंह पुरस्कार** बी.ए. (विशेष) राजनीति विज्ञान, तृतीय वर्ष की मोक्षा अरावतिया को प्रदान किया गया।

सर्वांगीण उत्कृष्टता के लिए श्रीमती मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित **मोहिनी वीरेंद्र सिंह पुरस्कार** बी.ए.(विशेष) मनोविज्ञान, तृतीय वर्ष की रिया सिन्हा को प्रदान किया गया।

सर्वांगीण उत्कृष्टता के लिए डॉ. मीना भार्गव द्वारा **स्थापित पुष्पा भार्गव पुरस्कार** बी.ए. (प्रोग्राम), तृतीय वर्ष की **शुभ्रा शर्मा** को प्रदान किया गया।

<u>महाविद्यालय उत्कृष्टता पुरस्कार</u>

छात्रा का नाम	**विभाग**	**कक्षा**
अलंकृता दत्ता	राजनीति विज्ञान	तृतीय वर्ष
गार्गी राठौर	बी.ए.(प्रोग्राम)	तृतीय वर्ष
भाविका श्रीवास्तव	वाणिज्य	तृतीय वर्ष
ख़ुशी कौल	मनोविज्ञान	तृतीय वर्ष
कुहू वर्मा	मल्टीमीडिया एंड मास कम्युनिकेशन	तृतीय वर्ष
कुमकुम सिंह	बी ए प्रोग्राम	तृतीय वर्ष
मृदुला नायक	अर्थशास्त्र	तृतीय वर्ष
नम्रता कलिता	राजनीति विज्ञान	तृतीय वर्ष
निवेदिता शंकर	अर्थशास्त्र	तृतीय वर्ष
प्रगति पांडे	हिंदी	तृतीय वर्ष
सलोनी चुंडावत	बी ए प्रोग्राम	तृतीय वर्ष
संस्कृति पुंडीर	इतिहास	तृतीय वर्ष
अनन्या वर्मा	इतिहास	तृतीय वर्ष
सुकृति सूरी	इतिहास	तृतीय वर्ष
यशस्वी सूरी	भूगोल	तृतीय वर्ष

प्राचार्या द्वारा प्रदत्त सम्मान

छात्रा का नाम	**विभाग**
गौरवी	दर्शन
प्राची अजमेरा	राजनीति विज्ञान
रितिका दास	राजनीति विज्ञान
शुभ्रा शर्मा	बी ए प्रोग्राम
पूर्णिमा मदान	दर्शन
टीया शर्मा	मनोविज्ञान
कोमल सिंघल	मल्टी मीडिया एंड मास कम्युनिकेशन
गार्गी राठौर	बी ए प्रोग्राम
दिशा माथुर	बी ए प्रोग्राम
वेदिका राठौर	हिंदी
आयुषी	बी. ए. (प्रोग्राम)
प्रेरणा नेगी	बी. ए. (प्रोग्राम)
जयस्मिता साहा	बी. ए. (प्रोग्राम)
शिवानी	कंप्यूटर विज्ञान
यशस्वी रावत	मल्टी मीडिया एंड मास कम्युनिकेशन

पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार

पर्यावरण प्रबंधन के लिए सुश्री मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित **श्री प्रदीप वीरेंद्र सिंह मेमोरियल एनवायरनमेंटल स्टीवर्डशिप अवॉर्ड** निम्नलिखित छात्राओं को प्रदान किया गया:

1. **रिया सोनी** : बी.ए. (विशेष) तृतीय वर्ष, राजनीति विज्ञान

2. **मेघा कर्ण :** बी.ए. (विशेष) तृतीय वर्ष , भूगोल

दिव्यांग छात्राओं के लिए पुरस्कार और छात्रवृत्तियां

डॉ. एस. चटर्जी द्वारा स्थापित **डॉ. साधना चटर्जी छात्रवृत्ति** महाविद्यालय की सबसे मेधावी दिव्यांग छात्रा **आफ़रीन** को दी गई ।

कलावती गुप्ता छात्रावास की सर्वोत्तम दृष्टिबाधित छात्रा के लिए **श्री मोहन चंद तिवारी द्वारा स्थापित** पुरस्कार **आयुषी सिंह** को प्रदान किया गया।

डॉ. रिम्पी के. सिंह द्वारा स्थापित **बलराज खिल्लन स्मृति छात्रवृत्ति** प्रथम वर्ष में अधिकतम सी.जी.पी.ए प्राप्त करने वाली दृष्टिबाधित छात्रा **गरिमा कुमारी,** बी.ए. (विशेष) मनोविज्ञान, द्वितीय वर्ष को प्रदान की गई।

श्रीमती मंजु मित्रा द्वारा स्थापित **श्यामल मित्रा और छाया मित्रा स्मृति योग्यता एवं अनुदान छात्रवृत्ति,** बी.ए. (प्रोग्राम) तृतीय और द्वितीय वर्ष की दृष्टिबाधित छात्राओं **धीरवृथ दीपिकार्ट** और **उमा** को प्रदान की गई।

डॉ. विमलेश कान्ति वर्मा और श्रीमती धीरा वर्मा द्वारा स्थापित **डॉ. स्नेह लता श्रीवास्तव स्मृति योग्यता एवं अनुदान छात्रवृत्ति,** दृष्टिबाधित छात्रा **हीरा अहीरवार,** बी.ए. (विशेष) हिंदी, तृतीय वर्ष को प्रदान की गई।

छात्रावास की सबसे उत्साही और प्रेरणादायी दिव्यांग छात्रा के लिए डॉ. वंदिता एम. अरोड़ा और डॉ. मनस्विनी एम. योगी द्वारा स्थापित **राज रश्मि योगी स्मृति पुरस्कार** बी.ए. (विशेष) हिन्दी, तृतीय वर्ष की छात्रा **सुकृति सूरी** को प्रदान किया गया।

डॉ. चम्पा भूटानी द्वारा स्थापित **रूचिका बत्रा भूटानी छात्रवृत्ति,** बी.ए. (विशेष) अंग्रेज़ी, प्रथम वर्ष की दृष्टिबाधित छात्रा **सांची कृतिका कृष्णा** को इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में वर्तमान शैक्षणिक सत्र में सबसे पहले प्रवेश लेने के लिए **प्रदान की गई।**

द्वित्तीय/तृतीय वर्ष की बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न दिव्यांग छात्रा के लिए डॉ. सुषमा प्रियदर्शनी द्वारा स्थापित **डॉ. नगेन्द्र स्मृति पुरस्कार,** बी.ए. (प्रोग्राम) तृतीय वर्ष की **आयुषी सिंह** को प्रदान किया गया।

श्रीमती सुमन अरोड़ा द्वारा स्थापित **ज्ञान ज्योति छात्रवृत्ति** राजनीति विज्ञान का अध्ययन करने वाली बी.ए. (विशेष) राजनीति विज्ञान, तृतीय वर्ष की दृष्टिबाधित छात्रा **शशि शर्मा** को प्रदान की गई।

द्वित्तीय/तृतीय वर्ष की सबसे योग्य दिव्यांग छात्रा (पीडब्ल्यूडी श्रेणी) के लिए श्रीमती कमला ओबेरॉय द्वारा स्थापित **पार्वती देवी और श्री मोहिंदर नाथ ओबेरॉय स्मृति पुरस्कार** बी.ए. (विशेष) राजनीति विज्ञान, तृतीय वर्ष की **सुमन कुमारी** को प्रदान किया गया।

समान अवसर प्रकोष्ठ एवं सक्षम इकाई में महत्वपूर्ण योगदान के लिए श्रीमती सुभाष सहगल द्वारा स्थापित **श्रीमती सुभाष सहगल और श्री नरेश सहगल छात्रवृत्ति** बी.ए. (प्रोग्राम) तृतीय वर्ष की **आयुषी सिंह** को प्रदान की गई।

विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम (2022-2023) पर आधारित पुरस्कार और छात्रवृत्तियाँ

पुरस्कार का नाम	**विभाग**	**पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम**
एम.ए./एम.एससी (उत्तरार्द्ध) में अधिकतम अंक/सीजीपीए प्राप्त करने के लिए पुरस्कार		
एम.ए. (उत्तरार्द्ध) में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए स्वर्गीय श्री नारायण प्रसाद द्वारा स्थापित लाला जुगल किशोर जगदीश प्रसाद स्मृति पुरस्कार	अंग्रेजी	पारमिता वेदी
	हिंदी	शशि
	इतिहास	प्रज्ञा पॉल

	गणित	अंशिका नौगाईं
	संगीत	अवंतिका तंवर
	दर्शनशास्त्र	महक अग्रवाल
	राजनीति विज्ञान	हिताक्षी शर्मा
	मनोविज्ञान	इश्ति गुप्ता
	संस्कृत	ऋचिका रानी
इंद्र चंद्र शास्त्री इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंडोलॉजी द्वारा स्थापित सुनीता छात्रवृत्ति पुरस्कार	संस्कृत	ऋचिका रानी
एम.एस.सी. (उत्तरार्द्ध) में अधिकतम अंक प्राप्त करने के लिए श्रीमती मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित श्री प्रदीप वीरेंद्र सिंह स्मृति पुरस्कार	ऑपरेशनल रिसर्च	कशिश बंदल
एम.ए./एम.एस.सी (पूर्वार्द्ध) में अधिकतम अंक/सीजीपीए प्राप्त करने के लिए पुरस्कार		

एम.ए. (प्रथम वर्ष) में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए स्वर्गीय श्री नारायण प्रसाद द्वारा स्थापित लाला जुगल किशोर जगदीश प्रसाद स्मृति पुरस्कार	अंग्रेजी	आकांक्षा भराली
	हिंदी	ज्योति
	इतिहास	महिमा त्यागी वत्सला पांडे
	गणित	प्रेरणा मिश्रा भविका नारा
	संगीत	अविष्का भावना देवि रघुनन्दन
	दर्शनशास्त्र	ख्याति अवस्थी
	राजनीति विज्ञान	शिवानी गोदरा

	मनोविज्ञान	गुरशील कौर
	संस्कृत	वैशाली भारद्वाज
एम.एससी (पूर्वार्द्ध) में अधिकतम अंक प्राप्त करने के लिए सुश्री मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित श्री प्रदीप वीरेंद्र सिंह स्मृति पुरस्कार	ऑपरेशनल रिसर्च	तान्या जैन
बी.ए.(विशेष)/ बी.कॉम.(विशेष)/ बी.एससी(विशेष) तृतीय वर्ष में अधिकतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए पुरस्कार		
पुरस्कार का नाम	**विभाग**	**पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम**
श्रीमती मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित श्रीमती मोहिनी वीरेंद्र सिंह स्मृति पुरस्कार	वाणिज्य	इशिता जैन रिया राय
श्री बृज बंस किशोर द्वारा स्थापित बाबू जानकी नाथ स्मृति पुरस्कार	कंप्यूटर विज्ञान	निकिता डे
श्रीमती ब्रताती पांडे द्वारा स्थापित नगेंद्र नाथ मजूमदार स्मृति पुरस्कार	अर्थशास्त्र	अन्नी श्रेष्ठ
श्री प्रदीप नोरूला द्वारा स्थापित सावित्री नोरूला छात्रवृत्ति	अंग्रेजी	गहना नारंग
डॉ. मीना भार्गव द्वारा स्थापित पुष्पा एवं आनंद नारायण भार्गव स्मृति पुरस्कार	भूगोल	तनुजा
श्रीमती नीरा कुकरेजा सोहोनी द्वारा स्थापित कुंतल कुकरेजा स्मृति पुरस्कार	हिंदी	शिवानी
श्रीमती नीरा कुकरेजा सोहोनी द्वारा स्थापित के.एन. कुकरेजा स्मृति पुरस्कार	इतिहास	सांची सिंघानिया

डॉ. सरम्मा मथाई द्वारा स्थापित श्री पी. एम. मथाई और श्रीमती सोसम्मा मथाई स्मृति पुरस्कार	गणित	दिव्यांशी चौहान
श्रीमती रंगा कपूर द्वारा स्थापित श्री एस.पी. कपूर स्मृति पुरस्कार	मल्टी मीडिया एंड मास कॉम्यूनिकेशन	देवांशा बाबले
सुश्री मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित श्रीमती मोहिनी वीरेंद्र सिंह स्मृति पुरस्कार	संगीत	रानी कुमारी
सुश्री मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित श्रीमती मोहिनी वीरेंद्र सिंह स्मृति पुरस्कार	दर्शनशास्त्र	पूर्वी वडनेरकर
श्रीमती गुरदेव सुमरा द्वारा स्थापित मेजर मनमोहन सिंह मान स्मृति पुरस्कार	राजनीति विज्ञान	मधुरिमा डे
श्री बीरेश किशोर द्वारा स्थापित बृजबंस किशोर स्मृति पुरस्कार	मनोविज्ञान	इशिता मेहता
सुश्री मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित श्रीमती मोहिनी वीरेंद्र सिंह स्मृति पुरस्कार	संस्कृत	दृष्टि सिंह
श्रीमती शिवांगी और श्री अश्विनी शंकर द्वारा स्थापित श्री द्वारका नाथ सोंधी स्मृति पुरस्कार	समाजशास्त्र	याइफाबी मायेंगबाम

बी.ए.(विशेष)/बी.कॉम.(विशेष)/बी.एससी (विशेष) द्वितीय वर्ष में अधिकतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए पुरस्कार		
पुरस्कार का नाम	**विभाग**	**पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम**
सुश्री मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित मेजर जनरल वीरेंद्र सिंह स्मृति पुरस्कार	वाणिज्य	राधिका झावर
सुल्तान चंद ट्रस्ट द्वारा स्थापित सुल्तान चंद स्मृति छात्रवृत्ति	वाणिज्य (75% से अधिक)	राधिका झावर

श्री बृज बंस किशोर द्वारा स्थापित बाबू जानकी नाथ स्मृति पुरस्कार	कंप्यूटर विज्ञान	सादगी तिवारी
डॉ. विष्णुकांत पुरोहित द्वारा स्थापित आशीष स्मृति पुरस्कार	अर्थशास्त्र	खुशबू वर्मा
प्रो. एम. सी. शुक्ला द्वारा स्थापित ब्लांच शुक्ला स्मृति स्कॉलरशिप	अंग्रेजी	आद्रिता श्रीवास्तव
सुश्री मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित मेजर जनरल वीरेंद्र सिंह स्मृति पुरस्कार	भूगोल	मेघा करण
सुश्री मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित मेजर जनरल वीरेंद्र सिंह स्मृति पुरस्कार	हिंदी	प्रगति पांडे
श्रीमती प्रेम मुखी सक्सेना द्वारा स्थापित श्रीमती भगवती देवी स्मृति पुरस्कार	इतिहास	अनन्या राजौरिया
डॉ. सरम्मा मथाई द्वारा स्थापित श्री पी.एम. मथाई और श्रीमती सोसम्मा मथाई स्मृति पुरस्कार	गणित	मानसी बत्रा
श्रीमती दिलबीर कौर द्वारा स्थापित वीरपाल स्मृति पुरस्कार	मल्टी मीडिया एंड मास कॉम्यूनिकेशन	वृत्ति मेदिरत्ता
सुश्री मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित मेजर जनरल वीरेंद्र सिंह स्मृति पुरस्कार	संगीत	लागू नहीं
सुश्री मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित मेजर जनरल वीरेंद्र सिंह स्मृति पुरस्कार	दर्शनशास्त्र	गौरवी
श्रीमती सुशील भारद्वाज द्वारा स्थापित जमना देवी स्मृति पुरस्कार	राजनीति विज्ञान	मेध्या गुप्ता
सुश्री उषा किशोर द्वारा स्थापित राजेश किशोर स्मृति पुरस्कार	मनोविज्ञान	प्रतिष्ठा चमोली
स्वर्गीय श्री भंवर सिंह चौहान द्वारा स्थापित चौधरी अमीन लाल छात्रवृत्ति	संस्कृत	प्राची तिवारी

सुश्री मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित मेजर जनरल वीरेंद्र सिंह स्मृति पुरस्कार	समाजशास्त्र	आफ़रीन जहां

बी.ए.(विशेष)/बी.कॉम.(विशेष)/बी.एससी (विशेष) प्रथम वर्ष में अधिकतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए पुरस्कार		
पुरस्कार का नाम	**विभाग**	**पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम**
सुश्री मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित श्री प्रदीप वीरेंद्र सिंह स्मृति पुरस्कार	वाणिज्य	इनाक्ष कौर सरन
सुल्तान चंद ट्रस्ट द्वारा स्थापित सुल्तान चंद स्मृति छात्रवृत्ति	वाणिज्य (75 प्रतिशत से अधिक)	इनाक्ष कौर सरन
श्रीमती विंदू गोयनका द्वारा स्थापित डॉ. एस.एन.गोयनका स्मृति छात्रवृत्ति	कंप्यूटर विज्ञान	मंगल चानु नामीराकपम
डॉ. अनिंदिता रॉय साहा द्वारा स्थापित निशीथ रॉय स्मृति पुरस्कार	अर्थशास्त्र	पलक सैन
डॉ. उर्मिल खन्ना द्वारा स्थापित के.सी. खन्ना स्मृति पुरस्कार	अंग्रेजी	यशिका
श्री अश्विनी शंकर द्वारा स्थापित श्री शिव शंकर लाल स्मृति पुरस्कार	भूगोल	नाओरेम जेसिका देवी
सुश्री मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित श्री प्रदीप वीरेंद्र सिंह स्मृति पुरस्कार	हिंदी	रशिम यादव
डॉ. मीना भार्गव द्वारा स्थापित आनंद नारायण और पुष्पा भार्गव स्मृति पुरस्कार	इतिहास	प्रिश्निका मजूमदार
श्रीमती सुनीता मारवाह द्वारा स्थापित श्री हरबंस लाल कोहली स्मृति पुरस्कार	गणित	जसनूर कौर

डॉ. मनस्विनी एम. योगी द्वारा स्थापित प्रो. सत्य भूषण योगी स्मृति पुरस्कार	मल्टी मीडिया एंड मास कम्यूनिकेशन	अवलीन कौर
स्वर्गीय श्रीमती राजिंदर गुलाटी द्वारा स्थापित श्री तेजा सिंह स्मृति पुरस्कार	संगीत	ऋचा शर्मा
डॉ. मनस्विनी एम. योगी द्वारा स्थापित आचार्य राम देव स्मृति पुरस्कार	दर्शनशास्त्र	निकिता यादव
श्रीमती सुशील भारद्वाज द्वारा स्थापित जमना देवी स्मृति पुरस्कार	राजनीति विज्ञान	वन्दना
सुश्री मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित श्री प्रदीप वीरेंद्र सिंह स्मृति पुरस्कार	मनोविज्ञान	वसुंधरा गोयल
डॉ. राज चौहान द्वारा स्थापित श्री भंवर सिंह चौहान स्मृति पुरस्कार	संस्कृत	नव्या बंगारी
श्री अश्विनी शंकर द्वारा स्थापित श्रीमती किशोरी देवी स्मृति पुरस्कार	समाजशास्त्र	परी गांधी

बी.ए. (प्रोग्राम) में अधिकतम अंक/सीजीपीए प्राप्त करने के लिए पुरस्कार		
पुरस्कार का नाम	**विभाग**	**पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम**
श्री जे. पी. जैन द्वारा स्थापित प्रकाश कुमारी जैन स्मृति पुरस्कार	तृतीय वर्ष	ऋचा शर्मा
श्रीमती और कर्नल अशोक दीप त्रेहन द्वारा स्थापित श्रीमती और श्री चमन लाल त्रेहन स्मृति पुरस्कार	द्वितीय वर्ष	बनिता पूनम कुमारी
सुश्री मीरा प्रदीप सिंह द्वारा स्थापित श्री प्रदीप वीरेंद्र सिंह स्मृति पुरस्कार	प्रथम वर्ष	वंशिका लक्ष्या यादव

पाठ्येतर गतिविधियों के लिए पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ वाद-विवाद (हिंदी) के लिए श्री बृजबंस किशोर द्वारा स्थापित **राय बहादुर रघुनाथ सहाय स्मृति पुरस्कार**, बी.ए. (प्रोग्राम) तृतीय वर्ष की **सलोनी चुण्डावत** को प्रदान किया गया।

सर्वश्रेष्ठ वाद-विवाद (अंग्रेज़ी) के लिए आदित्य वंश बहादुर द्वारा स्थापित **शहज़ाद बहादुर स्मृति पुरस्कार** बी.ए. अर्थशास्त्र तृतीय वर्ष की **नीलांजना पंत** को प्रदान किया गया।

सर्वश्रेष्ठ संगीत प्रतिभा (शास्त्रीय/उप-शास्त्रीय) के लिए डॉ. नीलिमा सिंह द्वारा स्थापित **पंकज रघुवंशी स्मृति पुरस्कार**, बी.ए. (विशेष) मनोविज्ञान तृतीय वर्ष की **खुशी गुप्ता** को प्रदान किया गया।

हिंदी कविता में सबसे रचनात्मक प्रतिभा के लिए श्रीमती शकुंत माथुर द्वारा स्थापित **गिरिजा कुमार माथुर पुरस्कार**, बी.ए. (विशेष) संस्कृत तृतीय वर्ष की **अनामिका सिंह** को प्रदान किया गया।

सर्वश्रेष्ठ विदेशी छात्रा (गैर-भारतीय नागरिक) के लिए श्री नारायण प्रसाद द्वारा स्थापित **नारायण प्रसाद पंकज गुप्ता पुरस्कार**, बी.ए. (विशेष) अर्थशास्त्र की तृतीय वर्ष की **भावना अधिकारी** को प्रदान किया गया।

सर्वश्रेष्ठ अभिनय प्रतिभा के लिए श्री बृजबंस किशोर द्वारा स्थापित **राय बहादुर रघुनाथ सहाय स्मृति पुरस्कार** बी.ए. (विशेष) दर्शनशास्त्र तृतीय वर्ष की **अनविका शर्मा** को प्रदान किया गया।

रोज़गार मार्गदर्शन और भर्ती, चयन, नियोजन प्रकोष्ठ की अध्यक्ष के लिए डॉ. विनीता कौल डार द्वारा स्थापित श्रीमती **अन्नपूर्णा कौल स्मृति** छात्रवृत्ति बी.कॉम (विशेष) तृतीय वर्ष की **राधिका झावर** को प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना की सबसे सक्रिय/समर्पित छात्रा के लिए डॉ. सुशीला झा द्वारा स्थापित **सद्भावना पुरस्कार** बी.ए. (विशेष) मनोविज्ञान की **प्रतिष्ठा चमोली** को प्रदान किया गया।

अन्य श्रेणियों में प्राप्त पुरस्कार

सादगी, विनय और समुदाय के प्रति समर्पण के गांधीवादी सिद्धांतों के पालन के लिए श्रीमती शांति कामथ द्वारा स्थापित **बार्नहार्ट-कामथ ट्रॉफी एंड स्कॉलरशिप** बी.ए. (विशेष) राजनीति विज्ञान तृतीय वर्ष की **देशमुख शिवानी राजेंद्र** को प्रदान की गई।

युद्ध में शहीद/युद्ध में हताहत/भूतपूर्व सैनिक/सेवारत रक्षा कर्मियों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्रा के लिए श्रीमती सुभाष सहगल द्वारा स्थापित **कर्नल गिरीश चौधरी और श्रीमती रुचि चौधरी छात्रवृत्ति** बी.ए. (विशेष) मल्टीमीडिया एवं जनसंचार तृतीय वर्ष की **वृत्ति मेदिरत्ता** को प्रदान की गई।

खेल

महाविद्यालय की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए श्रीमती संतोष बक्शी द्वारा स्थापित **विश्वनाथ बक्शी स्मृति पुरस्कार** बी.ए. (विशेष) राजनीति विज्ञान तृतीय वर्ष की **आरुषि कोटवाल** को प्रदान किया गया।

बी.ए. (विशेष) राजनीति विज्ञान तृतीय वर्ष की उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी के लिए श्रीमती सुभाष सहगल द्वारा स्थापित **धरम चंद स्मृति पुरस्कार, आरुषि कोटवाल** को प्रदान किया गया।

पूर्व छात्रा संघ छात्रवृत्तियाँ

पूर्व छात्रा संघ योग्यता एवं अनुदान छात्रवृत्तियां निम्नलिखित छात्राओं को प्रदान की गई:

मानवी, बी.ए. (विशेष) संस्कृत, तृतीय वर्ष

जयति जायसवाल, बी.ए. (विशेष) मनोविज्ञान, तृतीय वर्ष

संध्या साहा, बी.ए. (विशेष) अर्थशास्त्र, तृतीय वर्ष

सुजाता गहलौत, बी.एससी. (विशेष) कंप्यूटर विज्ञान, तृतीय वर्ष

तनु सिंह, बी.ए. (विशेष) राजनीति विज्ञान, तृतीय वर्ष

नाओरेम जेसिका देवी,बी.ए. (विशेष) भूगोल, तृतीय वर्ष

संकाय सदस्यों की उपलब्धियाँ

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय परिवार को अपना वार्षिक विवरण प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। यह विवरण सम्मानित संकाय सदस्यों की शैक्षणिक उपलब्धियों और उनके बहमूल्य योगदान को प्रदर्शित करता है। पिछले वर्ष के दौरान , संकाय सदस्यों के समर्पण, नवीन शिक्षाशास्त्र और विद्वतापूर्ण उपलब्धियों ने न केवल इस संस्थान के शैक्षणिक परिदृश्य का विस्तार किया , बल्कि व्यापक शैक्षणिक समुदाय के बीच अपनी एक अलग पहचान भी बनायी है।

अभूतपूर्व शोध पहल से लेकर परिवर्तनकारी शिक्षण पद्धतियों तक, संकाय सदस्यों ने लगातार ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाया है और छात्राओं को प्रत्येक प्रकार से नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया है।

संकाय सदस्यों की शैक्षणिक उपलब्धियों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जैसे प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशन, पुस्तक लेखन, सम्मेलनों में पत्र प्रस्तुतियां, संकाय विकास पहल, अभिविन्यास कार्यक्रम, पाठ्यक्रम में वृद्धि, अनुदान प्राप्ति, समुदाय से संबंधित पहल में संलग्नता और असाधारण शिक्षण पद्धति तथा मार्गदर्शन के लिए प्रशंसा। इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय शिक्षा की प्रगति, समालोचनात्मक सोच को विकसित करने और बौद्धिक जिज्ञासा के माहौल को पोषित करने के लिए संकाय सदस्यों के दृढ समर्पण के लिए उसकी प्रशंसा और सराहना करता है।

पिछले सत्र में, नौ संकाय सदस्यों ने व्यापक शोध, नवीन दृष्टिकोण और मूल्यवान अंतर्दृष्टि के साथ अकादमिक परिदृश्य को समृद्ध करते हुए अनेक विषयों पर कई पुस्तकें लिखीं और संपादित भी की।

18 संकाय सदस्यों ने विभिन्न पुस्तकों में महत्वपूर्ण अध्याय जोड़े और अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता और नवीन दृष्टिकोण के माध्यम से शिक्षा जगत में चर्चा का विषय भी बने।

51 संकाय सदस्यों ने महत्वपूर्ण विषयों पर लेख लिखकर विश्लेषण तथा साक्ष्य-आधारित निष्कर्षों के माध्यम से ज्ञान की परंपरा को और समृद्ध किया है। इनके यह लेख प्रतिष्ठित अकादमिक पत्र पत्रिकाओं में लगभग अड़सठ शोध पत्रों के रूप में प्रकाशित हुए हैं।

पांच संकाय सदस्यों ने आईसीएसएसआर, जर्नलिज्म एजुकेशन ट्रॉमा एंड रिसर्च ग्रुप (जेईटीआरईजी) - इंटरनेशनल प्रोजेक्ट, एसपीएआरसी, अंतःविषय क्षेत्रों की खोज, सहयोग को बढ़ावा देने और शैक्षणिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने जैसी प्रभावशाली अनुसंधान पहल का नेतृत्व किया। 50 संकाय सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय दोनों मंचों पर बेहद प्रभावशाली ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किये , नवीन अनुसंधान निष्कर्षों को साझा किया और सहकर्मियों के बीच बौद्धिक चर्चा को प्रोत्साहित किया।

30 से अधिक संकाय सदस्यों ने संसाधन व्यक्तियों के रूप में सेवाएं दीं और विभिन्न शैक्षणिक मंचों पर वक्ताओं को आमंत्रित किया, सीखने की सुविधा के लिए विशेषज्ञता तथा अंतर्दृष्टि साझा की और महत्वपूर्ण चर्चाओं में सहभगिता की ।

20 से अधिक संकाय सदस्यों ने , विद्वतापूर्ण संवादों और मार्गदर्शक अकादमिक चर्चाओं में योगदान के लिए सम्मेलनों और संगोष्ठियों में अध्यक्ष, वक्ता,निर्णायक मंडल आदि के रूप में सक्रिय रूप से भाग लिया ।

35 संकाय सदस्यों ने संकाय विकास कार्यक्रमों में भाग लिया, जिनका उद्देश्य शिक्षण पद्धतियों में सुधार करना, शैक्षणिक दृष्टिकोण को परिष्कृत और परिमार्जित करना तथा समग्र अधिगम अनुभव को बढ़ाने के लिए नवीन कार्यनीतियों की जांच करना शामिल है।

पांच संकाय सदस्यों ने अपने ज्ञान और कौशल को नवीन करने, पेशेवर क्षमता में सुधार करने और अपने क्षेत्र में उभरते रुझानों पर अद्यतन जानकारी प्राप्त करने हेतु पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में भाग लिया।

23 संकाय सदस्यों ने विभिन्न संकाय प्रेरण प्रशिक्षण सत्रों और अभिविन्यास कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसका उद्देश्य उनकी क्षमताओं को बढ़ाना और संस्थान के भीतर उनके पेशेवर विकास को बढ़ावा देना था।

16 संकाय सदस्य विविध शैक्षणिक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल थे, जिनमें एचआरडी पहल, संकाय सदस्यों का आदान-प्रदान, कर्मचारी प्रशिक्षण और विशेष सीज़नल स्कूल शामिल थे, जिन्होंने संस्थागत सहयोग और विशेषज्ञता को समृद्ध किया।

24 संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप पाठ्यक्रम को विकसित करने तथा सुधारने, समकालीन दृष्टिकोण को एकीकृत करने और विविध अंतःविषय दृष्टिकोणों में उद्योग तथा शैक्षणिक मानकों के साथ शैक्षिक कार्यक्रमों को संरेखित करने में भूमिका निभाई।

पांच संकाय सदस्य, एमिटी विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय जैसे विभिन्न संस्थानों में पीएचडी उम्मीदवारों का निरीक्षण कर रहे हैं। वे विभिन्न संपादकीय सलाहकार मंडल से भी जुड़े हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया के रूटलेज एशियन स्टडीज एसोसिएशन, इंडियन नेटवर्क ऑफ़ मेमोरी स्टडीज, आईआईटी मद्रास, राजनीति विज्ञान और सार्वजनिक राय, गेक्सिन पब्लिकेशन्स, ग्लोबल मीडिया एजुकेशन काउंसिल और साउथ एशिया कम्युनिकेशन एसोसिएशन शामिल हैं। इनके अतिरिक्त, तीन संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रश्न पत्र निर्माण समिति और मॉडरेशन समितियों जैसे जम्मू - कश्मीर लोक सेवा आयोग, इग्नू और सीयूईटी में भाग लिया।

2023 में, नौ संकाय सदस्य अर्थात् डॉ. दिशा पोखरियाल, डॉ. ऋचा केला, डॉ. दीपिका भाटिया, डॉ. गिरीश शास्त्री, डॉ. अनीशा कौल, डॉ. सीमा टम्टा, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. मनोज कुमार और डॉ. पूर्णिमा लेंका को विद्या वाचस्पति {पीएच.डी.} की उपाधि प्रदान की गयी । प्रोफ़ेसर सीमा सिंह, प्रोफ़ेसर विजय कुमार गौतम और प्रोफ़ेसर रूपाली गोयनका को प्रोफ़ेसर बनने की हार्दिक बधाई और शुभकामना ।

गैर शैक्षणिक कर्मचारी की उपलब्धियाँ

क्रम संख्या	नाम	उपलब्धियाँ
1	अनिकेत कुमार	आईक्यूएसी, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए 'प्रशासनिक कौशल में प्रशिक्षण कार्यक्रम' के लिए 21 से 27 जून, 2023 तक एक सप्ताह की एफ.डी.पी. में भाग लिया।
2	विमल भट्ट	भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ़ एप्लाइड साइंस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षण और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए 'क्षमता निर्माण' पर एक सप्ताह 16 जनवरी- 20 जनवरी 2023) की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
3	मधु चौहान	1. 'उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षण और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए 'क्षमता निर्माण' पर एक सप्ताह 16 जनवरी- 20 जनवरी 2023) की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। 2. 21 से 27 जून 2023 तक एक सप्ताह के एफ.डी.पी. 'प्रशासनिक कौशल में प्रशिक्षण कार्यक्रम' में भाग लिया।
4	राजन कुमार शर्मा	प्रयोगशाला एवं तकनीकी अधिकारियों के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

5	जगदीश सी. कांडपाल	दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ग्रुप 'ए' अधिकारियों के लिए 'प्रशासनिक प्रबंधन कौशल' पर 20 नवंबर 2023 से आयोजित चार सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
6	अलका सेठी	उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षण और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण पर एक सप्ताह 16 जनवरी- 20 जनवरी 2023) की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
7	विनीता बरुआ	उच्च शिक्षा संस्थानों के शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण पर एक सप्ताह (16 जनवरी- 20 जनवरी 2023) की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
8	बबीता सिंघल	उच्च शिक्षा संस्थानों के शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण पर एक सप्ताह 16 जनवरी- 20 जनवरी 2023) की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
9	आशीष कुमार	भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ़ अप्लाइड साइंसेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) दिल्ली में 'उच्च शिक्षा संस्थानों के शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए 'क्षमता निर्माण' पर एक सप्ताह 16 जनवरी- 20 जनवरी 2023) की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
10	राधिका गुप्ता	'लाइब्रेरी नेटवर्क ए टूल: लोकल टू नेशनल गेटवे ऑफ़ नॉलेज इन हायर स्टडीज़ वाया डैलनैट एण्ड इनफ्लिबनैट (एन-लिस्ट), (आईएसबीएनः 978-93-92711-06-0) के साथ एम्पावरिंग लाईब्रेरीज़, कनेक्टिंग कम्युनिटीज़ पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस प्रोसीडिंग ऑफ़ मैनलिबनैट 2023 में लेख प्रकाशित।

छात्राओं की उपलब्धियाँ

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने लगातार अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और उपलब्धियों से महा विद्यालय को एक नई ऊंचाई प्रदान की है।निश्चित रूप से उनके उत्तम अकादमिक गतिविधियों और उपलब्धियों के फल स्वरुप महाविद्यालय ने नए कीर्तिमान बनाये है। महाविद्यालय परिवार भविष्य में भी छात्राओं द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन की अपेक्षा करता है और उनके उज्जवल भविष्य की मंगलकामना करता है। विभिन्न विभागों की छात्राओं द्वारा किये गए शोध कार्यों का विवरण निम्नवत है :-

कंप्यूटर विज्ञान

तीसरे वर्ष की ज्योतिर्मयी बारिक ने मधु वार्ता पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में दुनिया भर में दूसरा स्थान प्राप्त किया, मधु वार्ता एक बातचीत: 21वीं सदी की निबंध लेखन प्रतियोगिता के लिए मधु बाबू का स्थायी महत्व विषय पर निबंध लेखन किया।

सिमरन वशिष्ट ने नवरंग 23, दिल्ली विश्वविद्यालय और भीम राव अंबेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय पाश्चात्य समूह नृत्य प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया। इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में जी -20 अकादमी-सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत के-पॉपनृत्य प्रतियोगिता (टीम कार्यक्रम) में पहला स्थान प्राप्त किया। आईपीसीडब्ल्यू, दिल्ली विश्वविद्यालय में अंतर विभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता (टीम ईवेंट) में पहली स्थिति सुरक्षित की गई। इसके अतिरिक्त नैनोसाइंस और नैनो टेक्नोलॉजी (आईकॉन 2023) पर 7 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - युवा मस्तिष्क में नैनोसाइंस का आकार: एनएनओ वैज्ञानिकों के साथ साक्षात् संवाद किया, यह कार्यक्रम एसआरएम-आईकॉन 2023 द्वारा आयोजित और भारतीय विज्ञानं कांग्रेस एसोसिएशन (आईएससीए) द्वारा सहयोग प्राप्त था।

विभाग की छात्रा गौरी सक्सेना ने भगत फूल सिंह विश्वविद्यालय, सोनीपत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सतत विकास और वैश्विक मुद्दों पर कार्यक्रम में एक पेपर प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक था 'स्मार्ट शहरों' में वाहनों में देरी सहिष्णुता नेटवर्क की भूमिका। अंतर विभागीय नृत्य प्रतियोगिता (टीम ईवेंट), के-पॉप डांस मैनिया, 7 नवंबर, 2023 को इन्द्रप्रस्थ महिला विद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम   में पहली स्थिति भी सुरक्षित की।

अर्थशास्त्र विभाग

समृद्धि श्री को ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर मंडल बैठक का हिस्सा बनने के लिए चुना गया। मिलान की पूर्व छात्रा बालिका आइकन के रूप में ऑस्ट्रेलियाई सीनेट राष्ट्रपति से मुलाकात भी की।

इशिका बब्बर ने नवंबर 2023 में शहीद राजगुरु महाविद्यालय ऑफ़ अप्लाइड साइंसेज की अर्थशास्त्र सोसाइटी 'इक्विलिब्रियम' द्वारा महिलाओं के लिए आयोजित एक केस स्टडी प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें अर्थशास्त्र विभाग की छात्राओं के समूह ने एक कंपनी (क ख ग)के लिए एक नए बाजार में विस्तार करने के लिए बाजार की रणनीति को प्रस्तुत किया।

महक पाल ने डीडीए और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के सहयोग से आयोजित एक परियोजना में प्रतिभाग किया। यह परियोजना संजय वन में आयोजित मानसून जैव विविधता सर्वेक्षण के बारे में थी। इनकी परियोजना का उल्लेख प्रसिद्ध समाचार पत्र हिंदुस्तान टाइम्स द्वारा किया गया।

मानसी अग्रवाल, प्राची दत्ता और तनीषा ने 28 और 29 अक्टूबर 2023 को माता सुंदरी कॉलेज में आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय एमयूएन में भाग लिया।

इतिहास विभाग

निष्ठा गोयल ने कालिंदी कॉलेज द्वारा 'जी-20 शिखर सम्मेलन' विषय पर आयोजित अंतर महाविद्यालयी समूह चर्चा में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रिश्निका मजूमदार ने सीएजी की राष्ट्रीय निबंध लेखन प्रतियोगिता के साथ-साथ शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ़ एप्लाइड साइंस फॉर वुमेन द्वारा आयोजित कला प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

कशिश त्यागी ने कॉमन पर्पस द्वारा दिए गए व्याख्यान, यू21 ग्लोबल सिटीजन्स में भाग लिया, उन्हें एसडीजी -एवेयर माइक्रोडेंशियल से सम्मानित किया गया।

दर्शनशास्त्र विभाग

तीसरे वर्ष की सुकन्या दत्ता ने सांस्कृतिक परिषद और इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतः महाविद्यालय लोक ऑर्केस्ट्रा संगीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया।

तृतीय वर्ष की अन्विका शर्मा ने निर्वाण 2023 में आयोजित अनिद्रा-स्ट्रीट प्ले प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज में आयोजित द शेक्सपियर सोसाइटी ऑफ़ इंडिया नेशनल ड्रामा प्रतियोगिता, आईआईटी कानपुर द्वारा आयोजित, स्टेज प्ले, नुक्कड़ नाटक, भारती कॉलेज के वार्षिक उत्सव 'अभिव्यक्ति 23' में स्टेज प्ले, एनएसयूटी द्वारा आयोजित सोच 2023 और सांस्कृतिक परिषद तथा हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटर-कॉलेज (माइम) प्रतियोगिता जैसे विभिन्न कार्यक्रमों में भी भाग लिया । तृतीय वर्ष की छात्रा अनन्या पांडे ने सीजी स्टेट क्लोज़्ड स्क्वैश चैंपियनशिप छत्तीसगढ़ जीती और बेंगलुरु में डनलप डीएसआई ओपन नेशनल स्क्वैश चैंपियनशिप में उपविजेता भी रहीे। उन्होंने कई अन्य आयोजनों में भी भाग लिया है, जैसे चैन्नई में एचसीएल 79वीं राष्ट्रीय स्क्वैश चैंपियनशिप, दिल्ली में हमदर्द दूसरा स्क्वैशर्स ओपन, गुवाहाटी में तीसरा अखिल भारतीय ब्रह्मपुत्र ओपन, मुंबई में पहली गरवारे क्लब हाउस ऑल इंडिया स्क्वैश चैंपियनशिप, कोलकाता में धुनसेरी 9वां बंगाल ईस्टर्न स्लैम, सेंट्रल इंडिया टूर्नामेंट, 2023 और गोवा में राष्ट्रीय खेल ।

प्रथम वर्ष की वंशिका अग्रवाल को दिल्ली विश्वविद्यालय के माता सुंदरी महिला महाविद्यालय की वाद विवाद समिति में उप महानिदेशक के रूप में मान्यता मिली।

तृतीय वर्ष की गौरवी ने भारती कॉलेज द्वारा आयोजित खुला मंच प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के महिला विकास प्रकोष्ठ तथा लिंग संवेदीकरण समिति द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान और भारती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उन्हें दिल्ली के. प्राची फाउंडेशन में दो महीने के प्रशिक्षु के रूप में भी मान्यता दी गई है।

राजनीति विज्ञान विभाग

प्रथम वर्ष की दीक्षा चक्रवर्ती ने सीवीएस तृतीय वार्षिक संसदीय बहस में नोवाइस क्राइटीरिया में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

शिवांगी राज ने बेकन अकादमी एमयूएन इंडोनेशिया में सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि का प्रमाण पत्र हासिल किया।

प्रथम वर्ष की रान्या राणा ने अंडर 19 बैडमिंटन स्टेट चैंपियनशिप तथा इंटर कॉलेज बैडमिंटन टूर्नामेंट की मिश्रित युगल स्पर्धा कई टूर्नामेंट जीते हैं। पूर्वी क्षेत्र बैडमिंटन चैंपियनशिप में तीसरा स्थान हासिल किया। दिल्ली विश्व विद्यालय राष्ट्रीय टीम ट्रायल चयन में तीसरे स्थान पर रहीं।

प्रथम वर्ष की प्रियांशी को इतिहास की प्रसिद्ध हस्तियों पर आधारित अंतर महाविद्यालयी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार मिला।

प्रथम वर्ष की हर्षिता ढींगरा ने भूगोल पर इंट्रा कॉलेज क्विज प्रतियोगिता में पहला और इंटर कॉलेज क्विज (इकोशोडाउन) में दूसरा स्थान हासिल किया।

अंतिम वर्ष की आरुषि कोटवाल ने नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी शतरंज चैंपियनशिप 2022-23, जेएंडके यूटी महिला शतरंज चैंपियनशिप 2023 और जेएंडके जूनियर (गर्ल्स) शतरंज चैपियनशिप 2023 जैसे टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता। वे अखिल भारतीय अंतः विश्वविद्यालय शतरंज चैंपियनशिप 2022-23.में पांचवें स्थान पर रहीं।

द्वितीय वर्ष की गोल्डी कुमारी ने जीसस एंड मैरी महाविद्यालय की लोकगीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने रामलाल आनंद महाविद्यालय में द्विभाषी लेखन प्रतियोगिता और दयाल सिंह महाविद्यालय में कविता प्रतियोगिता में दूसरा स्थान (रजत पदक) हासिल किया।

तृतीय वर्ष की नम्रता कलिता ने दिल्ली युवा संसद 2023 में कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया और दिल्ली विधानसभा द्वारा आयोजित दिल्ली युवा संसद में भाग लेने के लिए उन्हें प्रशंसा प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। उन्होंने अंजन दत्ता फाउंडेशन द्वारा 'मानसिक स्वास्थ्य, कामुकता और युवा' विषय पर कला प्रतियोगिता में पहला और इन्द्रप्रस्थ महिला कॉलेज में 'इज़हार' साहित्य उत्सव में दूसरा स्थान हासिल किया।

द्वितीय वर्ष की संपदा को किरोड़ीमल कॉलेज के इको क्लब- 'भूमि'द्वारा आयोजित फोटो फिल्म प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। उन्हें वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल द्वारा आयोजित नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सम्मान प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उन्हें थिंक बिग फेलोशिप 2024 भी दी गई।

तृतीय वर्ष की छात्रा रितिका दास ने ब्रिक्स इंटरनेशनल फोरम (एलएसआर पहल) में कंटेंट राइटर के रूप में काम किया। तीसरे वर्ष की ही अंजलि बत्रा ने गर्ल अप एसेंट, दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए कंटेंट राइटर के रूप में काम किया। वह देयरवर्ल्ड में वैश्विक युवा राजदूत के पद को भी सुशोभित कर रही हैं।

संस्कृत विभाग

प्राची तिवारी ने दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित संस्कृत ओलंपियाड (राज्य स्तर) में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

समाजशास्त्र विभाग

आफ़रीन जहां ने लियोस्टिक वर्ष 2022-2023 में लियो क्लब की परियोजना ध्रुवतारा के सदस्य के रूप में सम्मिलित हुईं।

आनंदिता कुमारी ने 2 जून से 1 सितंबर तक टेक-एजुकेशन के माध्यम से असमानता को कम करने के लिए कार्य करने वाली एक गैर-लाभकारी संस्था की 'बराबारी परियोजना' के लिए शोध कार्य शुरू किया।

इशिका मल्हान ने बीआर अंबेडकर कॉलेज और जाकिर हुसैन कॉलेज में जीडीसी में दूसरा स्थान हासिल किया।

एनएसएस स्वयंसेवी कशिका सिंह ने 25 अक्टूबर 2023 - 3 नवंबर 2023 के दौरान एमएमपीजी कॉलेज, फतेहाबाद, हरियाणा में आयोजित प्री. आर.डी. परेड कैंप (उत्तरी क्षेत्र) में 17 अन्य लोगों के साथ दिल्ली दल का प्रतिनिधित्व किया।

विभागीय शैक्षणिक गतिविधियां

वाणिज्य विभाग

वाणिज्य विभाग की अकादमिक समिति का कार्यकाल अनेक दृष्टि से उल्लेखनीय रहा इस विभाग द्वारा कई प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वर्ष की शुरुआत 1 फरवरी, 2023 को ट्रेजर हंट कंपीटीशन - द मिलेट सर्चर्स के साथ हुई, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष मनाया गया और मोटे अनाज के प्रयोग पर जोर दिया गया । यह आयोजन दो चरणों में विभाजित किया गया था। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और ट्रेजर हंट के रूप में संपन्न हुई।प्रारंभिक चरण में कुल 100 छात्राओं ने भाग लिया।

25 अप्रैल 2023 को, कॉम बिज समिति ने अपना वार्षिक उत्सव 'बिजफिएस्टा' आयोजित किया। इस आयोजन में अन्तर महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला -शिप्रैकः बिजनेस सिमुलेशन प्रतियोगिता, मैनेजर्स बिज़ः केस स्टडी प्रतियोगिता और फंड फ्राॅम जंकः उत्पाद लॉन्च अभियान आदि विशेष उल्लेखनीय थे।

'आजादी का अमृत महोत्सव' के आलोक में 8 अगस्त, 2023 को स्वास्थ्य और आरोग्यता विषय पर एक वेबिनार 'सफलता के लिए योग' का आयोजन किया गया था। सद्‌गुरु द्वारा स्थापित एक गैर-लाभकारी, आध्यात्मिक संगठन, ईशा फाउंडेशन के स्वयंसेवकों के नेतृत्व में संचालित कार्यक्रम में विभिन्न योग मुद्राओं मुख्य रूप से सूर्य नमस्कार, ओम् का जाप और रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने वाले कई आसनों का अभ्यास किया।

महाविद्यालय में प्रथम वर्ष की(नवागंतुक) छात्राओं के स्वागत के लिए 16 अगस्त को सेमिनार कक्ष में नए बैच के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। 18 अक्टूबर, 2023 को टी.आई.एम.ई. के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रमुख श्री अमित पोद्दार की अध्यक्षता में 'केस स्टडीज एण्ड गैस्टीमेट्स' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में लगभग 150 छात्राओं ने भाग लिया। श्री पोद्दार ने छात्राओं के साथ महत्वपूर्ण विचार साझा करते हुए उन्हें रचनात्मक सोच के लिए प्रोत्साहित किया। यह आयोजन अत्यंत सफल रहा क्योंकि छात्राओं को नए क्षेत्रों का पता लगाने और ज्ञान तथा तार्किक सोच के नए क्षितिज का विस्तार करने का अवसर मिला।

विभाग ने छात्राओं को निवेश, वित्तीय उद्देश्यों को हासिल करने , मुद्रास्फीति के तेजी से बढ़ने, आय सृजन , जोखिमों तथा रिटर्न को समझने और व्यक्ति की आवश्यकताओं तथा उद्देश्यों के

आधार पर अनुकूलित निवेश रणनीति की समझ विकसित करने के लिए 26 अक्टूबर, 2023 को श्री हर गोविंद सचदेव (भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व जीएम और बैंकों में जलवायु जोखिम शमन तथा विदेशी मुद्रा के विशेषज्ञ) द्वारा 'म्यूचुअल फंड और एसआईपी' पर एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। 30 अक्टूबर को 'डिजिटल मार्केटिंग' सत्र आयोजित किया गया। इसमें भारतीय डिजिटल शिक्षा संस्थान के वरिष्ठ प्रबंधक श्री आकाश गोगरी ने छात्राओं को सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ), कंटेंट मार्केटिंग और सोशल मीडिया मार्केटिंग सहित विभिन्न डिजिटल मार्केटिंग टूल और तकनीक के बारे में जानकारी दी।

राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी), औद्योगिक दौरे के अंतर्गत 5 दिसंबर, 2023 को ओखला क्षेत्र की यात्रा की गई , जिसमें अंतिम वर्ष की 73 छात्राओं ने 4 संकाय सदस्यों के साथ औद्योगिक दौरा किया। इस यात्रा से छात्राओं को कक्षाओं में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को प्रत्यक्ष रूप से व्यावहारिक अनुप्रयोगों में देखने का अवसर मिला। इस दौरान औद्योगिक प्रक्रियाओं की जटिलताओं पर भी प्रकाश डाला गया जिससे छात्राओं को पाठ्यपुस्तकों और कक्षाओं से भिन्न विशेष ज्ञान की प्राप्ति हुई।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने 15 फरवरी 2023 को 'डिजिटल परिवर्तन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: अवसर और चुनौतियां' विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के क्लस्टर इनोवेशन सेंटर में आयोजित इस समारोह में सहायक प्राध्यापक डॉ सचिन कुमार वक्ता के रूप में आमंत्रित थे।

8 अगस्त 2023 को आईक्यूएसी और आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 'आयुर्वेद : संपूर्ण स्वास्थ्य का दर्शनशास्त्र' विषय पर एक वेबिनार से आयोजित किया गया।

'मशीन लर्निंग परिनियोजन के परीक्षण और सत्यापन के लिए सर्वोत्तम कार्यकलाप' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 25 अक्टूबर 2023 को सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। इसमें वासावी कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग के सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग की प्रतिष्ठित प्रोफ़ेसर डॉ. तिलोत्तमा गोस्वामी को मुख्य वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया ।

25 अक्टूबर 2023 को 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड इनोवेशन ड्राइविंग न्यू इंडियाज टेकेड' विषय पर चर्चा की गई । इस कार्यक्रम में रेडहैट यू.एस.ए. के वैश्विक मुख्य प्रौद्योगिकीविद,

श्री अजहर सईद और थिंक स्ट्रीट टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक तथा निदेशक - श्री उदय रघुनाथ बिरजे ने मंच की शोभा बढ़ाई।

पर्यावरण अध्ययन विभाग

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय का पर्यावरण अध्ययन विभाग छात्राओं को उनके निर्धारित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त पर्यावरण संरक्षण के प्रति उत्तरदायित्व को समझने और इसके संरक्षण के प्रति प्रयास करने के लिए मंच प्रदान करता है। व्यावहारिक अनुभव पर ध्यान देने के साथ, यह विभाग महाविद्यालय के भीतर सतत कार्यों को बढ़ावा देता है, विभिन्न पर्यावरणीय कार्यक्रमों का संचालन करते हुए सकारात्मक बदलाव का प्रयास करता है। वर्ष 2023 में, विभाग ने प्रासंगिक पर्यावरणीय मुद्दों पर व्याख्यान, कार्यशालाएं, नेचर ट्रेल जैसे कार्यक्रम आयोजित करते हुए अपनी सहभागिता और प्रतिबद्धता को प्रस्तुत किया।

छात्राओं ने 02 फरवरी 2023 को यमुना जैव विविधता पार्क में विश्व आर्द्रभूमि दिवस समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपस्थित लोगों ने आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के महत्व के बारे में सीखते हुए गहन चर्चा की। निर्देशित पर्यटन ने जैव विविधता को बनाए रखने में आर्द्रभूमि की भूमिका पर जोर देते हुए यमुना जैव विविधता पार्क में विविध वनस्पतियों और जीवों का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया।

17 फरवरी 2023 को महाविद्यालय प्रांगण में कैंपस बर्ड काउंट आयोजित किया गया था। यह बर्ड काउंट ग्लोबल बैकयार्ड बर्ड काउंट (जीबीबीसी) का हिस्सा था, जो कॉर्नेल लैब ऑफ़ ऑर्निथोलॉजी और नेशनल ऑडुबोन सोसाइटी, यूएसए द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित एक वैश्विक पक्षी निरीक्षण कार्यक्रम है। इस गणना के दौरान परिसर में पक्षियों की कुल 29 प्रजातियां देखी गईं और दर्ज की गईं।

पर्यावरण अध्ययन विभाग ने भूगोल विभाग और महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सहयोग से 5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने और युवाओं से भारत के प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई पहल- पर्यावरण के लिए लाइफ स्टाइल में भाग लेने का आग्रह करने के लिए महाविद्यालय समुदाय को शामिल करते हुए रील-मेकिंग प्रतियोगिता और पर्यावरण साक्षरता प्रश्नोत्तरी जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्राचार्या प्रो.पूनम कुमरिया ने मुख्य वक्ता के तौर पर भाषण दिया, तत्पश्चात दिल्ली विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग की प्रो. वंदना मिश्रा ने 'प्लास्टिक प्रदूषण' पर

व्याख्यान दिया । कॉलेज की छात्राओं और शिक्षकों ने शिक्षा मंत्रालय की ऑनलाइन बैठक में भाग लिया और सामूहिक रूप से 'मिशन लाइफ प्रतिज्ञा' ली।

विभाग द्वारा 'समुदाय-आधारित संरक्षण' पर 26 सितंबर 2023 को आयोजित संवादात्मक सत्र में, प्रसिद्ध भारतीय संरक्षण जीवविज्ञानी और वन्यजीव कार्यकर्ता, डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन ने असम में अपनी प्रभावशाली पहल की कहानियों के साथ जैव विविधता संरक्षण के लिए रोचक अनुभव से सराबोर भाषण प्रस्तुत किया। ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क जैसी लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, उन्होंने समुदाय-संचालित संरक्षण मॉडल पर विचार साझा किए। उनके रोचक अनुभवों ने जमीनी स्तर पर किए गए प्रयासों का विवरण प्रस्तुत किया और छात्राओं को संरक्षण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

पर्यावरण अध्ययन विभाग ने राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय और पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 06 अक्टूबर 2023 को वायु प्रदूषण पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय (एनएमएनएच) के वैज्ञानिक डॉ. सी. आर. महेश थे। उनके प्रभावशाली भाषण के साथ ही पृथ्वी की सुंदरता और प्रदूषण के खतरे पर एक वीडियो भी प्रदर्शित किया गया । जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'लाइफ' मिशन को प्रदर्शित किया गया। एक संवादात्मक सत्र में दिल्ली के वाहन प्रदूषण और नियंत्रण के उपायों पर चर्चा हुई, उसके बाद एक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया जिसमें लगभग 650 छात्राओं ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखने की शपथ ली। इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की नाट्य समिति 'अभिव्यक्ति' की छात्राओं ने वायु प्रदूषण के बारे में जागरूकता पर एक आकर्षक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया ।

इतिहास विभाग

महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा 3 नवंबर 2023 को सुबह 11ः:30 बजे, सम्मेलन कक्ष में एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान (ऑनलाइन) का सफल आयोजन किया गया । प्राचार्या प्रोफ़ेसर पूनम कुमरिया ने अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

'रिमेम्बरिंग रानी गाइदिन्ल्यूः ए फॉरगॉटन फ्रीडम फाइटर ऑफ़ इंडियन फ्रीडम मूवमेंट' शीर्षक व्याख्यान का उद्देश्य भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की गुमनाम नायिका- रानी गाइदिन्ल्यू की उल्लेखनीय विरासत का सम्मान करते हुए वर्तमान पीढ़ी को भूले -बिसरे स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान के बारे में जागरूक करना था। रवीन्द्रसदन गर्ल्स कॉलेज,

करीमगंज, असम में सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. नीलांजन डे ने भारतीय इतिहास के संबंध में तथ्यात्मक जानकारी छात्राओं के साथ साझा की।

व्याख्यान के बाद, प्रश्नोत्तरी सत्र में छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया, इस कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें विदेशी संस्कृति और परंपराओं के स्थान पर अपनी संस्कृति और परंपराओं को अपनाने और समझने की प्रेरणा मिली। इस कार्यक्रम ने रानी गाइदिन्ल्यू जैसे भूले -बिसरे नायकों को याद करने के महत्व पर जोर दिया, छात्राओं और संकाय सदस्यों दोनों पर इसका अमिट प्रभाव पड़ा और सांस्कृतिक गौरव तथा विरासत के प्रति एक नई सोच और भावना जागृत हुई।

मल्टी मीडिया और मास कम्यूनिकेशन

वर्ष 2023 में, मल्टी मीडिया और जनसंचार विभाग (एमएमएमसी) ने विविध प्रकार की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई।

कार्यक्रमों का दौर 7 जनवरी, 2023 को कॉपीराइट कानून और इसके उल्लंघन पर एक सेमिनार के साथ शुरु हुआ, जिसमें प्रतिष्ठित कानूनविज्ञ श्री लव विरमानी और सुश्री आद्या चावला अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

इतिहास और अंग्रेजी विभाग के सहयोग से 18 जनवरी, 2023 को एनिमेटेड फिल्म, 'लॉस्ट पार्टिशन' की सिनेमा स्क्रीनिंग आयोजित की गई । परियोजना दास्तान(मूल ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय) द्वारा निर्मित यह फिल्म तीन एनिमेटेड एपिसोड के माध्यम से 1947 के भारतीय उपमहाद्वीप के विभाजन के परिणामों पर विचार करती है।

विभाग ने 28 जनवरी, 2023 को, 'संसदीय रिपोर्टिंग' पर दिल्ली स्थित गैर-लाभकारी अनुसंधान संस्थान पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च की पत्रकार सुश्री इतिका सिंह और सुश्री मितिशा शर्मा द्वारा आयोजित शनिवार कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का प्राथमिक उद्देश्य इच्छुक पत्रकारों को संसदीय रिपोर्टिंग के संबंध में जानकारी प्रदान करना था।

दिनांक 3 और 4 फरवरी को, विभाग ने यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल, भारत के भरतपुर में केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में एक छायांकन क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम अयोजित किया। इस कार्यक्रम द्वारा छात्राओं और फोटोग्राफरों को विविध परिदृश्यों, प्रतिबिंबों और प्रकाश परिदृश्यों को छायांकन द्वारा संग्रहित करने का उल्लेखनीय अवसर प्रदान किया।

13 फरवरी को, विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर, द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'द वेव फॉरवर्ड' रेडियो महोत्सव में भाग लिया। यूनेस्को के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं को क्षेत्र की उल्लेखनीय हस्तियों के साथ जुड़ने का अवसर मिला।

25 फरवरी, 2023 को तीसरे वर्ष की छात्राओं के लिए भारतीय वस्त्रों पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई।भारतीय वस्त्रों की विशेषज्ञ और परियोजना की प्रमुख सुश्री रचना इमाम के नेतृत्व में छात्राओं ने जानकारी प्राप्त की। सुश्री रचना इमाम ने पारंपरिक कला और अल्पसंख्यक समुदायों के शिल्प के संरक्षण पर जोर देते हुए अपनी विशेषज्ञता को साझा किया। .

विभाग ने 11 सितंबर, 2023 को फ्रांस की 'मीडियास मोंडे अकादमी' के सहयोग से 'इंटरनेशनल रिपोर्टेज' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। फ्रांस के प्रतिष्ठित वक्ता चार्ल्स वेन्ते और फ्रांकोइस पिकार्ड ने 24 छात्राओं को अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टिंग संबंधी अपनी जानकारी द्वारा छात्राओं को जानकारी प्रदान की।

तीसरे वर्ष की छात्राओं ने 13 सितंबर, 2023 को, समकालीन संदर्भ में भारतीय मीडिया की विशिष्ट विशेषताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए पीएचडीसीसीआई के मीडिया शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

द्वितीय वर्ष की छात्राओं के लिए 14 सितंबर, 2023 को ललित कला अकादमी, राष्ट्रीय कला अकादमी, दिल्ली का दौरा आयोजित किया गया था। इस दौरे में रचनात्मक अभिव्यक्ति और कलात्मक संवेदनाओं को बढ़ावा देने के लिए गैलरी वॉक, कांच पुनः उपयोग कार्यशाला और चित्रकला प्रदर्शन शामिल था।

आईक्यूएसी और गूगल समाचार पहल के साथ सहयोग करते हुए, एमएमएमसी विभाग ने 22 सितंबर, 2023 को 'तथ्य-जांच और दृश्य सत्यापन' पर एक कार्यशाला का अयोजन किया इसमें जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज में सह प्राध्यापक डॉ. अर्चना कुमारी ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया,इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं के बीच मीडिया साक्षरता और मीडिया उपभोग में सतर्कता को बढ़ावा देना है।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिजाइन, अहमदाबाद की डिजाइन विशेषज्ञ सुश्री नेहमत मोंगिया द्वारा आयोजित 'बेस्ट आउट ऑफ़ वेस्ट वर्कशॉप' के लिए 20 अक्टूबर, 2023 को राजघाट के सत्याग्रह मंडप के लिए क्षेत्र यात्रा आयोजित की गई थी।

अंततः, 4 और 5 दिसंबर, 2023 को द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने नोएडा में अमर उजाला प्रिंटिंग प्रेस का दौरा किया, जिससे उन्हें मल्टीमीडिया और जन संचार के क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान और अनुभवात्मक शिक्षा का अवसर प्राप्त हुआ।

दर्शनशास्त्र विभाग

दर्शनशास्त्र विभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 के दौरान अनेक कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

पहला कार्यक्रम 'यंग फिलॉसॉफर्स टॉक' (वार्षिक दिवस और विदाई) विषय पर 26 अप्रैल 2023 को आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्रा-संकाय बातचीत थी। सभी ने अपने विचार साझा करते हुए बताया कि कैसे दर्शनशास्त्र ने उनकी समस्या-समाधान क्षमताओं को बढ़ाया, अवधारणाओं और तर्कों का विश्लेषण किया और उनके संचार कौशल, प्रेरक शक्तियों तथा लेखन कौशल को बेहतर बनाने में मदद की। प्रभारी शिक्षिका डॉ. पौलवी दास ने छात्राओं को सम्मानित किया। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए, भविष्य में बाधा बनने वाली दुविधाओं और समस्याओं के संबंध में अपने विचार साझा किए और यह भी बताया कि उन्हें अपने भावी प्रयासों के लिए दर्शनशास्त्र को लागू करके खुद को कैसे तैयार करना चाहिए। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को प्रेरित किया गया।

सभी क्षेत्रों में मानसिक तथा शारीरिक सकारात्मकता और समावेशिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'परफैक्शन इज़ एन इलूशन' विषय के तहत प्रथम वर्ष के नए बैच के लिए 23 सितंबर 2023 को नवागंतुकों का स्वागत किया गया।

29 नवंबर 2023 को विश्व दर्शनशास्त्र दिवस के अवसर पर आईसीपीआर, दिल्ली के सहयोग से 'फ़िलॉसॉफ़ी ऑफ़ कन्टैम्परेरी थिंकर्स' विषय के अंतर्गत एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रो. हरि शंकर प्रसाद (मुख्य अतिथि और पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. एवांड्रो विएरा ऑरिक्स (विशिष्ट अतिथि और प्रध्यापक, कम्युनिकेशन स्कूल, फेडरल यूनिवर्सिटी ऑफ़ रियो डी जनेरियो और शोधकर्ता,

दर्शनशास्त्र विभाग, पेरिस) , प्रोफ़ेसर एस्टेलिटा-योग विशेषज्ञ और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले दो विद्यार्थियों ने पूर्वनिर्धारित विषय पर बहमुल्य दृष्टिकोण साझा किया। प्रो. हरि शंकर प्रसाद ने 'मन की चिकित्सा के रूप में भारतीय दर्शनशास्त्र' पर बात की। उन्होंने आत्म-सुधार और व्यक्ति द्वारा स्वजीवन को परिवर्तित करने के लिए मस्तिष्क का उपयोग कैसे करें ?विषय पर महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने देश के संविधान को आकार देने में भारतीय दर्शनशास्त्र के महत्व पर जोर दिया, जो किसी विशिष्ट देवी-देवता पर केंद्रित होने के बजाय प्रकृति और ब्रह्मांड के सिद्धांतों में निहित है। सत्र के दूसरे वक्ता प्रो. इवांड्रो विएरा ऑरिक्स थे। उन्होंने 'मनुष्य की संचार स्थिति और पश्चिम-पूर्व काउंटर की पारलौकिक काव्यात्मकता' के रूप में अद्वैत पर बात की। उन्होंने अद्वैत के महत्व पर जोर देते हुए, वास्तविक जीवन के उदाहरणों से प्रेरणा लेते हुए और पश्चिमी दार्शनिकों के कार्यों का उल्लेखनीय संदर्भ पर बात की । प्रश्न-उत्तर सत्र के बाद अंतिम वर्ष की छात्राओं द्वारा प्रसिद्ध भारतीय कवि रामधारी सिंहजी के काव्य संग्रह 'कृष्ण की चेतावनी' पर प्रस्तुती दी गई । कार्यक्रम का समापन कोरियाई गायक ह्युंगजिन एन के प्रदर्शन के साथ हुआ। दर्शनशास्त्र विभाग की प्रभारी शिक्षिका डॉ. पौलवी दास ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

राजनीति विज्ञान विभाग

राजनीति विज्ञान विभाग ने पार्लियामेंट्री रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसीज (प्राइड) के समन्वित प्रयासों से 17 जनवरी, 2023 को संसद का दौरा किया और 28 जनवरी, 2023 को गांधी स्टडी सर्कल के साथ गांधी स्मृति संग्रहालय(नई दिल्ली)की शैक्षणिक यात्रा की।यह यात्रा ज्ञानवर्धक होने के साथ ही साथ छात्राओं के लिए लाभकारी भी थी। 31 जनवरी, 2023 को महाविद्यालय सभागार में सेंटर फॉर राइटिंग एंड कम्युनिकेशन (सीडब्ल्यूसी), अशोका यूनिवर्सिटी के सहयोग से एक अनुसंधान क्रियाविधि कार्यशाला का आयोजन किया गया। अशोक विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर राइटिंग एंड कम्युनिकेशन (सीडब्ल्यूसी) से डॉ. वृंदा चोपड़ा और सुश्री विंकी मित्तल द्वारा संचालित इस शैक्षणिक अभ्यास से छात्राएं लाभान्वित हुई ।

मार्च 2023 की शुरुआत में सम्पूर्ण भारत के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के लिए विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय छायाचित्र निबंध प्रतियोगिता, 'आयाम' में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभाग ने 21 और 22 मार्च, 2023 को भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, अंडरस्टैंडिंग

साउथ एशिया-सिक्योरिटी चैलेंजेज़ः ट्रेडिशनल एण्ड नाॅन ट्रेडिशनल आयोजित किया। दो दिवसीय इस संगोष्ठी के दौरान, पांच बौद्धिक सत्र आयोजित किए गए और संगोष्ठी के के समापन अवसर पर लोक नर्तकों के साथ एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। विभाग ने 14 अप्रैल, 2023 को बाबासाहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर की 132वीं जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। यह एक ऑनलाइन कार्यक्रम था और इसमें विभाग के संकाय सदस्यों तथा छात्राओं ने भाग लिया। विभाग ने 25 अप्रैल, 2023 को महिला सशक्तिकरण थीम पर आधारित अपने वार्षिक दिवस-शक्ति का आयोजन किया, जिसमें सत्र 2022-23 में आयोजित शैक्षणिक गतिविधियों के सारांश के साथ-साथ, शक्ति से भरपूर सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल थे। इसके बाद 2023 के बैच को अलविदा कह दिया गया।

जून और जुलाई 2023 में दो समानांतर सत्रों के साथ, राजनीति विज्ञान विभाग ने महाविद्यालय का भ्रमण करने वाली पूर्व छात्राओं के साथ विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की। 14 जून, 2023 को 'राष्ट्र के लिए सेवाएंः संवादात्मक सत्र, यू.पी.एस.सी. सी.एस.ई 2022 एआईआर 98' पूर्व छात्रा मुस्कान खुराना के साथ' आयोजित किया गया । सभी छात्राओं ने उत्साह और गर्व के साथ भाग लिया। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत, विभाग ने महाविद्यालय की विभिन्न ईसीए समितियों और एनएसएस के साथ मिलकर जुलाई और अगस्त 2023 तक चलने वाले कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शुरू की। इनमें भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर आधारित 'एकता प्रस्तुतिकरण' चित्र व्याख्या गतिविधि, 'जीवन' और 'सतत विकास तथा हम' विषय पर पोस्टर बनाया गया। भारत की विभिन्न जनजातियों के संगीत का उत्सव मनाते हुए गीतमाला नामक एक ऑनलाइन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। दो वक्ताओं प्रो. ज्योति त्रेहन शर्मा (राजनीति विज्ञान विभाग, आईपीसीडब्ल्यू) और डॉ. रुचि श्री (सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान पीजी विभाग, तिलका माझी भागलपुर विश्वविद्यालय, बिहार) के साथ 'नदियाँ' विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी (12 अगस्त, 2023) आयोजित की गई।

भारत की जी 20 अध्यक्षता का उत्सव मनाते हुए, विभाग ने 10 अक्टूबर, 2023 को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) बंगबंधु चेयर, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर शाहिदुल हक के साथ 'इंडिया एण्ड बांग्लादेश रिलेशन्स इन द कॉंटेक्स्ट ऑफ़ इंडो-पेसिफिक एण्ड जी20 इंडिया समिट' शीर्षक से एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया। नवंबर महीने में महाविद्यालय की एनएसएस इकाई के सहयोग से आयोजित दो कार्यक्रमों- भारत के राष्ट्रीय

संविधान को चिह्नित करने के लिए संपूर्ण महाविद्यालय समुदाय के लिए सुलेख प्रतियोगिता और 29-30 नवंबर, 2023 को मतदाता पहचान पत्र पंजीकरण अभियान के साथ विषम सत्र 2023 का समापन हुआ। स्थापित बूथों ने सैकड़ों छात्राओं को उनके मतदाता पहचान पत्र के लिए पंजीकरण करने में सहायता की। विभाग संपूर्ण शैक्षणिक वर्ष में मार्गदर्शन और सहयोग के लिए प्राचार्या, प्रोफ़ेसर पूनम कुमरिया के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है।

समाजशास्त्र विभाग

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत समाजशास्त्र विभाग ने 14 अगस्त, 2023 को जनजातीय सशक्तिकरण विषय पर एक ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया। जनजातीय अध्ययन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त निदेशक और दिल्ली विश्वविद्यालय में मानव विज्ञान विषय के सह प्राध्यापक डॉ. एविटोली जी. झिमो को इस कार्यक्रम में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। गूगल मीट पर आयोजित इस कार्यक्रम में 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

डॉ. एविटोली जी. झिमो के संबोधन में 'जनजाति' शब्द की उत्पत्ति और उपयोग के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर जोर दिया गया। उन्होंने मानवशास्त्रीय, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक स्रोतों से प्रेरणा लेते हुए, भारत के संदर्भ में 'जनजातियों' की व्याख्या करने के लिए विभिन्न परिभाषाओं और दृष्टिकोणों के उद्भव और विकास पर जानकारी दी । 'जनजाति' जिन्हें 'जन-जाति, गिरिजन, वनवासी' के नाम से भी जाना जाता है, समरूप समूह नहीं हैं। उन्हें क्षेत्रीय निवासियों के रूप में देखा जाने लगा जिन्हें जाति व्यवस्था से बाहर रखा गया और हाशिए पर रखा गया। डॉ. झिमो ने उल्लेख किया कि प्रारंभिक मानवविज्ञानी और औपनिवेशिक प्रशासक भारत में जनजातियों का वर्णन करते समय उनके लिए आदिम और बर्बर जैसे अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते थे।

वर्तमान में जनजातियों के लिए एक सर्वमान्य शब्द 'आदिवासी' है। हालांकि, उन्होंने इस शब्द का उपयोग करने के प्रति आगाह किया क्योंकि अनुसूचित जनजातियों के अंतर्गत वर्गीकृत सभी समुदाय खुद को 'आदिवासी' के रूप में नहीं मानते हैं। डॉ. झिमो ने पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) और डीएनटी (डीनोटिफाइड ट्राइब) पर भी संक्षेप में चर्चा की। वे जनजातीय सशक्तिकरण को समझने के लिए अशक्तीकरण की अवधारणा से अपने तर्कों को गढ़ती हंै। डॉ. झिमो ने इस तथ्य पर भी चर्चा किया कि कैसे आदिवासियों के पास अभी भी नीति-निर्माण और योजना बनाने में अधिकारों की कमी है।

यह सवाल करते हुए कि आदिवासी अपने अधिकारों का लाभ क्यों नहीं उठा पाते, उनका तर्क है कि प्रशासन में उनकी हिस्सेदारी बहुत कम है, जिससे उनकी आजीविका और जीवन के तरीके प्रभावित हुए हैं। प्रशासन के निर्णय लेने के पहलू में जनजातीय लोगों की अधिक भागीदारी और संलग्नता की आवश्यकता है। यह सत्र महाविद्यालय की छात्राओं और शिक्षकों के लगभग 45 मिनट के प्रश्न उत्तर सत्र के साथ समाप्त हुआ। **आजादी का अमृत महोत्सव** के अंतर्गत जनजातीय सशक्तिकरण पर सत्र को विभाग की छात्राओं और शिक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

बी.ए. (प्रोग्राम) विभाग

बी.ए. (प्रोग्राम) विभाग ने 11 जनवरी 2023 को भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा (आईएएएस) के प्रधान निदेशक (अंतरराष्ट्रीय संबंध) श्री अमिताभ प्रसाद के व्याख्यान 'द फ़ाइल दैट इज़ लाइफ़' का महाविद्यालय सभागार में आयोजन किया।

24 जनवरी 2023 को इस विभाग के रीडिंग क्लब ने एक दार्शनिक अवधारणा के रूप में स्वतंत्रता से संबंधित विभिन्न मतों पर विचारोत्तेजक चर्चा आयोजित की, जिसका विषय था 'लोअरिंग द लिमिट्स: ए फ़िलॉसॉफ़िकल पर्सपेक्टिव' । इस चर्चा के बाद स्वामी विवेकानन्द पर व्याख्यानों की एक शृंखला आयोजित हुई जिसमें प्रतिभागियों ने स्वामी विवेकानन्द के सिद्धांतों को केंद्र में रखते हुए विशेष लेखन कार्य किया। इसके अंतर्गत उन्होंने स्वामी विवेकानन्द के विचारों के आधार पर स्वतंत्रता संबंधी अपने विचारों को तार्किक रूप से प्रस्तुत किया।

100वें महाविद्यालय दिवस का उत्सव मनाने के लिए 6 फरवरी 2023 को, आई.पी. वाणी ने '100वां महाविद्यालय डेः ए ड्यूक्स कन्वर्सेशन्स एंड मेमोरीज' विषय पर महाविद्यालय की छात्राओं और पूर्व छात्राओं के साथ उनके अनुभवों को जानने और महाविद्यालय की शानदार कहानियों को साझा करने के लिए लघु साक्षात्कार आयोजित किए। आई.पी.वाणी ने 23 फरवरी 2023 को आई.पी. 'लिटफेस्ट'23 को कवर किया और पद्म श्री मालिनी अवस्थी और सुश्री रीता कोठारी जैसी प्रमुख अतिथि वक्ताओं के साथ साक्षात्कार भी किए।

विभाग ने अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में 6 मार्च 2023 को एक जीवंत सांस्कृतिक समारोह 'एकताः ए सेलिब्रशन ऑफ़ मदर लैंग्विज' का आयोजन किया जिसमें विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की छात्राएं पारंपरिक संगीत एवं नृत्य, कविता और गद्य पाठ की मनोरम प्रस्तुति के माध्यम से अपनी समृद्ध विरासत का प्रदर्शन करने के लिए एक साथ आईं।

इसमें हमारी छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक विविधता की समृद्ध विरासत का उत्सव मनाया गया और इसने अकादमिक समुदाय के भीतर अंतर-सांस्कृतिक समझ और समावेशिता को भी बढ़ावा दिया।

इसके अतिरिक्त विभाग ने 3 फरवरी 2023 को जी20 एम्पावर कॉन्क्लेव (महिला आर्थिक प्रतिनिधित्व का सशक्तिकरण और प्रगति), 6 मार्च 2023 को 'हर घर ध्यानः ध्यान और मानसिक स्वास्थ्य', 20 मार्च 2023 को इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय ने फुलब्राइट-नेहरू इंटरनैशनल एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेटर्स', और 23 मार्च 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'सेवा परमो धर्मः 'सी20 चैपाल में सक्रिय रूप से भाग लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ने अपने आदर्श वाक्य 'नॉट मी, बट यू' का पालन करते हुए 2023 में संपूर्ण वर्ष अनेक गतिविधियों का आयोजन किया और उनमें भाग लिया। इसने महाविद्यालय की जीवंतता और समाज कल्याण में योगदान दिया। स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए 3 अगस्त को अंगदान महोत्सव के अंतर्गत एक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ जिसके बाद 4 अगस्त को डॉ. ए. अरुण ने अंगदान से संबंधित मिथकों पर ऑनलाइन चर्चा की तथा 5 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर एक नारा लेखन गतिविधि का आयोजन हुआ। वर्ष भर में 'मिशन लाइफ़' थीम को चिह्नित करने से संबंधित गतिविधियों के अलावा, यूनिट ने जनवरी में ग्लोबल वर्ड सर्च डे, पराक्रम दिवस, गणतंत्र दिवस, राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव, स्वीप (एस.वी.ई.ई.पी.) सप्ताह मनाया।

फ़रवरी में विश्व कैंसर दिवस पर भाषण गतिविधि, वृक्षारोपण गतिविधि, जागरूकता मार्च और पोस्टर बनाने की गतिविधियां आयोजित की गईं। महाविद्यालय की छात्राओं और संकाय सदस्यों ने पीले रंग की पोशाक पहनकर 'वर्ल्ड डाउन सिंड्रोम डे' मनाया । डूडल मेकिंग गतिविधि ने हमारे मिशन के अनुरूप कलात्मक अभिव्यक्ति में योगदान दिया, जिसके बाद 29 मार्च को सर्वाइकल कैंसर पर एक जागरूकता वार्ता आयोजित की गई, जिसने महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य जानकारी के प्रसार में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। 3 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय ट्रांसजेंडर दृश्यता दिवस मनाया गया तथा 13 अप्रैल को ड्रग जागरूकता अभियान और 14 अप्रैल को सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत सुरक्षित अभ्यास के महत्त्व पर ज़ोर दिया गया।

20 अप्रैल को एक प्रेरक वक्ता और सामाजिक कार्यकर्ता श्री नवीन गुलिया द्वारा एन.एस.एस. के वार्षिक कार्यक्रम 'कर्तव्य 2023' के उद्घाटन सत्र का पदार्पण हुआ। इसके साथ-साथ कॉन्शियस कॉउचर, टोट-बैग पेंटिंग और संगीत (जैम) प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। 24 से 26 अप्रैल तक प्रोजेक्ट निदान के द्वितीय चरण के अंतर्गत ई-वेस्ट संग्रहण अभियान चलाया गया। 25 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ ही स्वच्छता अभियान का भी आयोजन हुआ। 20 मई को आयोजित सड़क सुरक्षा प्रतिज्ञा हमारे जागरूकता अभियान का केंद्र बिंदु बन गई। पर्यावरणीय चेतना पर जोर देते हुए, 23 मई को सतत भविष्य के लिए हमारे मिशन के अनुरूप जैव विविधता वॉक आयोजित की गई। 26 मई को पर्यावरणीय समस्याओं को ध्यान में रखते हुए 'मिशन लाइफः

प्लास्टिक इज़ ड्रास्टिक' विषय पर केंद्रित एक विचारोत्तेजक ऑनलाइन परिचर्चा रखी गई। मई माह का समापन 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में प्रतिज्ञा लेने की गतिविधि के साथ हुआ, जिसमें धूम्रपान छोड़ कर स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा दिया गया।

जून माह की शुरुआत 'विश्व साइकिल दिवस' मनाने से हुई। इस महीने के प्रमुख आकर्षण विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के लिए किए गए विविध कार्यक्रम थे जो भूगोल विभाग के सहयोग से सम्पन्न हुए। इनके अलावा विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर एक क्रॉसवर्ड पहेली, बाल श्रम के विरोध में जागरूकता अभियान, विश्व रक्तदाता दिवस के लिए ऑनलाइन परिचर्चा तथा नारा लेखन, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर दो दिवसीय योग कार्यशाला, परिवार के साथ योगाभ्यास और प्रतिज्ञा ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। पोलेरॉइड पेंटिंग के माध्यम से ऑटिस्टिक गौरव दिवस मनाया गया और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस मनाने के लिए एथलेटिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। माह का समापन वस्त्र दान अभियान के साथ हुआ। एन. एस. एस. ने अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक-मुक्त बैग दिवस के तहत 10 जुलाई को एक नारा लेखन कार्यक्रम के साथ पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा दिया।

11 सितंबर से 25 सितंबर तक स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा चलाया गया। 25 सितंबर को डॉ. नरेंद्र कुमार बिश्नोई (एनएसएस केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक) द्वारा 'सामुदायिक विकास में युवाओं की भूमिका' पर उद्घाटन वार्ता के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस की शुरुआत हुई। अन्य गतिविधियों में एक संगीत (जैम) सत्र और प्रकृति फ़ोटोग्राफ़ी कार्यक्रम शामिल थे। 28 सितंबर को ई-कचरा जागरुकता पर केंद्रित नारा लेखन कार्यक्रम आयोजित किया गया। माह के अंतिम कार्यक्रम के रूप में दिनांक 29 सितंबर को स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ।

1 अक्तूबर को स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत प्राचार्या के नेतृत्व में ख़ैबर पास मेस में 'एक कदम स्वच्छता की ओरः एक तारीख़-एक घंटा' नामक कार्यक्रम में 60 छात्राओं और 50 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। सामुदायिक सेवा की दृष्टि से यह आयोजन एक बड़ी सफलता थी।

2 अक्तूबर को शारीरिक शिक्षा विभाग के सहयोग से 29 स्वयंसेवकों और 13 संकाय सदस्यों के साथ 'स्वच्छता फ़्रीडम रन' का आयोजन करके गांधी जयंती मनाई गई।

इसी भावना का अनुसरण करते हुए हमने स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत के तहत 3 और 4 अक्तूबर को फिट इंडिया फ़्रीडम रन 4.0 का आयोजन किया। 12 से 31 तारीख़ के दौरान स्वच्छता का विशेष अभियान 3.0 चलाया गया जिसमें लगभग 100 स्वयंसेवक शामिल हुए।

16 अक्तूबर को, माननीय संसद सदस्य, श्री मनोज तिवारी जी ने अपनी उपस्थिति से 'अमृत कलश यात्रा' की शोभा बढ़ाई और इस कार्यक्रम में पूरे महाविद्यालय समुदाय ने भागीदारी करते हुए 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान में योगदान दिया।

31 अक्तूबर को 'एकता दौड़' के साथ राष्ट्रीय एकता दिवस और खादी महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 'खादी पे चर्चा' और 'सेल्फ़ी विद खादी' का आयोजन हुआ और श्री विजय गोयल जी ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले 49 प्रतिभागियों और एक संकाय सदस्य की भागीदारी से कर्तव्य पथ पर 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान समारोह सम्पन्न होने के साथ माह का समापन हुआ। इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की एनएसएस स्वयंसेवी सुश्री कशिका सिंह, बी.ए. (विशेष) समाजशास्त्र सेमेस्टर 3 की छात्रा, ने 25 अक्टूबर 2023 - 3 नवंबर 2023 के दौरान एम.एम.पी.जी. कॉलेज, फतेहाबाद, हरियाणा में आयोजित प्री आरडी परेड कैंप (उत्तरी क्षेत्र) में 17 अन्य लोगों के साथ दिल्ली दल में भागीदारी की ।

नवंबर माह की गतिविधियों का प्रारंभ 3 तारीख़ को संकाय सदस्यों तथा ग़ैर शैक्षणिक सदस्यों द्वारा सत्यनिष्ठा के शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुआ। 6 नवंबर को सतर्कता जागरुकता सप्ताह के दौरान नारा लेखन गतिविधि, कैंसर जागरुकता दिवस पर जिंगल मेकिंग गतिविधि और 24 नवंबर को 'संविधान दिवस' के उपलक्ष्य में राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से प्रस्तावना पढ़ने और पोस्टर बनाने की गतिविधियाँ हुईं। साथ ही किसी भी भारतीय भाषा में प्रस्तावना सुलेख लेखन प्रतियोगिता में हमारे 13 शैक्षणिक और ग़ैर शैक्षणिक सदस्यों और कुल 34 छात्राओं ने भाग लिया।

माह का समापन, राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से 29 और 30 नवंबर को स्वीप (एस. वी.ई.ई.प.) सप्ताह के दौरान सफलतापूर्वक आयोजित मतदाता पहचान पत्र पंजीकरण बूथ के साथ हुआ जिसमें कुल 164 पंजीकरण हुए।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.)

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) कैडेट की भागीदारी से 17 अक्टूबर 2023 को एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम की मेज़बानी की। इस अवसर का मुख्य आकर्षण, मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए अपर महानिदेशक संजय पी. विश्वासराव की उपस्थिति थी। कार्यक्रम का उद्देश्य 'अमृत काल कैडेट्स उपक्रम 2047' और 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना में इसकी भूमिका का कीर्तिगान करना था। कार्यक्रम की शुरुआत अपर महानिदेशक संजय पी. विश्वासराव के भव्य स्वागत समारोह के साथ हुई। स्वच्छ और चुस्त वर्दी पहने एनसीसी कैडेटों ने, अनुशासन और कटिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए 'गार्ड ऑफ़ ऑनर' बनाया, जिसके बाद महाविद्यालय की भारतीय संगीत समिति आलाप द्वारा सरस्वती वंदना के साथ दीप प्रज्ज्वलित किया गया। श्री संजय पी. विश्वासराव ने 'विकसित भारत 2047 के लिए अमृत काल के कैडेट्स 2047/एनसीसी' विषय पर प्रेरक भाषण दिया। उन्होंने देश के भविष्य को आकार देने में युवाओं, विशेषकर एन.सी.सी. कैडेट्स की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के प्रति कैडेटों की प्रतिबद्धता और समर्पण की सराहना की। मुख्य अतिथि ने अमृत काल कैडेट्स उपक्रम 2047 के तहत केडेट्स में नेतृत्व गुणों को बढ़ावा देने, अनुशासन की भावना पैदा करने और देश की प्रगति में युवाओं के योगदान को बढ़ावा देने के महत्त्व पर प्रकाश डाला। अमृत काल की पहल, 2047 तक समृद्ध और विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण के साथ, युवाओं की बेहतरी और राष्ट्रीय प्रगति के लिए आवश्यक गुणों को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर नेतृत्व क्षमता के विकास में अहम भूमिका निभाता है। विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, शिविरों और गतिविधियों के माध्यम से, कैडेट्स में अनुशासन, कर्तव्यपरायणता और एक होकर काम करने जैसे गुण पैदा किए जाते हैं। यह गुण देश के विकास में योगदान देने वाली उस पीढ़ी की नींव रखते हैं जो भविष्य में विविध क्षेत्रों का नेतृत्व करेंगे। अपर महानिदेशक संजय पी. विश्वासराव ने कहा कि अमृत काल देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना पैदा करने के महत्त्व पर ज़ोर देता है और एन.सी.सी. मज़बूत नैतिक और नीतिपरक नींव पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए, कैडेट्स के बीच राष्ट्रप्रेम को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। देशभक्ति की यह भावना 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के पीछे एक प्रेरक शक्ति है। अमृत काल में युवाओं को व्यावहारिक कौशल से लैस करने की आवश्यकता और महत्ता पर ज़ोर है। एन.सी.सी. कैडेट्स को संचार, संकट प्रबंधन और कार्यनीतिक सोच सहित विविध प्रकार के कौशल विकसित करने के लिए एक मंच

प्रदान करता है। ये कौशल राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए आवश्यक हैं।

अमृत काल का एक मुख्य पहलू समुदाय और राष्ट्र के प्रति सेवा की भावना है। एन.सी.सी. कैडेट्स में ज़िम्मेदारी और सहानुभूति की भावना पैदा करते हुए उन्हें विविध सामुदायिक सेवा कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल करता है। कैडेट्स को सामाजिक कल्याण गतिविधियों में भाग लेने, ईमानदारी और सच्चाई के सिद्धांतों की नींव रखते हुए समाज के उत्थान में सीधे योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अमृत काल अनुशासित और नैतिक समाज के महत्त्व को स्वीकार करता है। अपने कठोर प्रशिक्षण और नैतिक मूल्यों पर ज़ोर देकर कैडेट्स को ज़िम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह नींव एक ऐसे समाज के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है जो अखंडता और नीतिपरायणता के सिद्धांतों पर पनपता है।

17 अक्टूबर 2023 को इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम को एन.सी.सी. कैडेट्स की सक्रिय भागीदारी और अपर महानिदेशक संजय पी. विश्वासराव की सम्मानजनक उपस्थिति के कारण शानदार सफलता मिली। इस कार्यक्रम ने न केवल अमृत काल 2047 की पहल के कैडेट्स का उत्सव मनाया, बल्कि युवाओं के भीतर 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने हेतु अपना संपूर्ण योगदान देने के लिए भी प्रेरित किया। मुख्य अतिथि के प्रभावशाली संबोधन और एन.सी.सी. कैडेट्स के उत्साह से महाविद्यालय समुदाय में प्रेरणा और ऊर्जा का संचार हुआ। एन.सी.सी. सिद्धांतों का एकीकरण निश्चित ही सहज रूप से अमृत काल के लक्ष्यों के अनुरूप है, जिससे भारत को समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने के लिए सशक्त और कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों की एक पीढ़ी का निर्माण होता है।

रोज़गार मार्गदर्शन और भर्ती, चयन, नियोजन प्रकोष्ठ

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की करियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट समिति ने छात्राओं को आवश्यक कौशल से लैस करने, करियर और व्यवसाय की दुनिया में प्रवेश करने और उच्च शिक्षा के अवसरों के चयन की तैयारी के लिए अपनी यात्रा शुरू करने के दौरान उन्हें सूचित निर्णय लेने में सहायता के लिए पूरे वर्ष विविध कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन किया।

वर्ष 2023 की शुरुआत, 15 जनवरी 2023 को करियर मार्गदर्शन और परामर्श में दशकों का अनुभव रखने वाली प्रसिद्ध करियर परामर्शदात्री सुश्री परवीन मल्होत्रा द्वारा 'भारत में करियर रुझान' पर एक सेमिनार के साथ हुई। इसके बाद 30 जनवरी, 2023 को एस.पी. जैन इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च द्वारा 'प्रबंधन में करियर और इसके विभिन्न पहलू' पर एक और ज्ञानवर्धक सेमिनार आयोजित किया गया।

15 फरवरी, 2023 को आई.सी.ए.ई. इंडिया के सहयोग से ग्लोबल यूनिवर्सिटी फ़ेयर 2023 का आयोजन किया गया। 500 से अधिक छात्राओं के पंजीकरण के साथ, इस कार्यक्रम में शीर्ष राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा की संभावनाओं के बारे में छात्राओं को जानकारी देने के लिए विश्व के विभिन्न हिस्सों से अनेक विश्वविद्यालय शामिल हुए।

करियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट समिति ने जनवरी से मार्च 2023 तक एक 'विशेष व्याख्यान श्रृंखला' का आयोजन किया। श्रृंखला की शुरुआत 13 जनवरी, 2023 को करियर और उद्यमिता पर, सम्मानित महिला उद्यमी सुश्री अर्चना गरोडिया गुप्ता, के विशेष व्याख्यान के साथ हुई। उन्होंने छात्राओं को अपने सपनों को वास्तविकता में बदलने की दिशा में काम करने और लगातार अपने लक्ष्यों, रूचियों के लिए काम करने तथा अपनी प्रतिभा का पूरा उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद, 11 फरवरी, 2023 को 'करियर इन लॉ' पर व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें जाने-माने अधिवक्ताओं सुश्री बहुली शर्मा, श्री शिवम सिंह और श्री रचित रंजन ने 'करियर' के रूप में कानून को चुने जाने पर अपने अनुभव साझा किए और करियर विकास तथा उन्नति के लिए इसमें मौजूद असीमित अवसरों पर प्रकाश डाला। श्रृंखला का अंतिम कार्यक्रम 'सरकारी क्षेत्रों में करियर' विषय पर आधारित था जिसे 21 मार्च को (टाइम) टी.आई.एम.ई. संस्थान के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रमुख श्री जयंत साहा ने संचालित किया।

8 से 10 अगस्त 2023 तक दो दिवसीय 'प्लेसमेंट तैयारी बूटकैंप' आयोजित किया गया। इसमें कुल 150 छात्राओं ने भाग लिया। 18 अगस्त 2023 को 'ऑडिट एंड एनालिटिक्स' पर एक वेबिनार भी आयोजित हुआ जिसमें कुल 102 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

7 दिसंबर 2023 को आर.बी.आई से सुश्री अंश्वे कैंतुरा (एच.आर.एम.डी. में बजट, ऑडिट और समन्वय सेल की प्रमुख) और श्री योगेन्द्र कुमार (एच.आर.एम.डी. में एच.आर. विकास और प्रशिक्षण सेल के प्रमुख) द्वारा 'भारतीय रिज़र्व बैंक में करियर की संभावनाएं' विषय पर महाविद्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भर्ती परिणामः

जनवरी से अगस्त तक छात्राओं के लिए कुल 30 प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किए गए। 42 छात्राओं को पॉसिस्ट टेक्नोलॉजीज़, क्लाइन एंड कंपनी, जे.एल.एल. बिज़नेस सर्विसेज़, गोदरेज प्रॉपर्टीज़, एम.जी.एच ग्रुप, हाइक एजुकेशन, प्लानिफ़ाई, बार्कलेज़, क्रो, ईएक्सएल आदि प्रमुख कंपनियों से ऑफ़र लेटर प्राप्त हुए।

नया सत्र अगस्त 2023 में शुरू हुआ। अगस्त-दिसंबर 2023 तक इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की छात्राओं के लिए 18 प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किए गए। कुल 81 छात्राओं को डेलॉइट, के.पी.एम.जी., डी.ई.शॉ, फ्यूचर फ़र्स्ट, आर.एस.ए ग्रुप, वाइज़ फ़िनसर्व, डब्ल्यू.टी.डब्ल्यू, एस.ए.पी. लैब्स, एस.एस.एस.आई., ई.वाई ग्लोबल डिलीवरी सर्विसेज़, बार्कलेज़ बैंक, सिया कंसल्टिंग, वेरिजॉन आदि से ऑफ़र लेटर प्राप्त हुए। औसत सीटीसी 6.87 लाख रु. प्रति वर्ष था। 'डी.ई.शॉ कंपनी' ने अर्थशास्त्र (विशेष) की छात्रा सुश्री माही वोहरा और बी.कॉम (विशेष) की छात्रा रिधिमा आहूजा को उच्चतम पैकेज 23.05 लाख रु. प्रति वर्ष ऑफ़र किया।

जनवरी से दिसंबर 2023 तक कुल 60 कंपनियों ने इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय कैंपस का दौरा किया और छात्राओं को अनेक अवसर प्रदान किए । इस उपयोगी वर्ष के दौरान छात्राओं को कुल 123 ऑफ़र लेटर प्राप्त हुए।

सी.जी.पी. सेल ने छात्राओं को वास्तविक दुनिया के अनुभवों से परिचित कराने, उद्योग के विशेषज्ञों के साथ नेटवर्क बनाने और उनके प्रस्तुति कौशल को बढ़ाने में मदद करने के लिए एच.एस.बी.सी. इंडिया बिज़नेस केस प्रोग्राम, बेन एंड कंपनीज़ ब्रेनवॉर्स और डेलॉइट्स ग्रेजुएट

स्कूल मेवरिक सीजन 7 जैसी प्रतिष्ठित केस स्टडी प्रतियोगिताएं शुरू कीं। वाणिज्य विभाग के द्वितीय वर्ष से चार छात्राएं मुस्कान सिंह, अनन्या तलवार, दिव्यांशी त्यागी और मानशी गोलछा की टीम सेमीफाइनल राउंड में पहुंचीं।

समान अवसर प्रकोष्ठ

'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के एक भाग के रूप में 12 अगस्त 2023 को 'समावेशी विकासः शैक्षिक संस्थानों में विविधता की सशक्तता' विषय के तहत लघु फिल्म 'एक्सेप्टेड' की ऑनलाइन स्क्रीनिंग आयोजित की गई । यह विचार समावेशी विकास के व्यापक विषय से प्रेरित था। इस डॉक्यूमेंट्री में शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश के लिए इच्छुक, ऑटिज़्म से पीड़ित एक विद्यार्थी को दिखाया गया है। यह फ़िल्म समावेशी शिक्षा द्वारा किसी के जीवन में आने वाले बदलाव पर प्रकाश डालती है और यह स्पष्ट करती है कि शिक्षा का सामवेशी रूप सभी छात्र में कठिनाइयों का सामना करने के लिए अटूट आत्मविश्वास भर सकता है। छात्राओं ने कक्षा और संस्थागत स्थानों में संवेदना निर्मिति और समावेशिता को बढ़ावा देने पर अपने विचार साझा किए। संकाय सदस्यों ने भी वृत्तचित्र की प्रासंगिकता और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए किए जा सकने वाले उपायों पर अपने विचार साझा किए और छात्रओं को समावेशिता का वातावरण बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफ़ेसर पूनम कुमरिया को धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रकोष्ठ ने 'बडी4स्टडी-इंडियाज़ लार्जेस्ट स्कॉलरशिप प्रोग्राम' के सहयोग से एक ज्ञानवर्धक सेमिनार का आयोजन किया। 26 सितंबर, 2023 को सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक महाविद्यालय के ए.वी. लेक्चर थिएटर में आयोजित कार्यक्रम 'रिलायंस फाउंडेशन अंडरग्रेजुएट स्कॉलरशिप 2023-24' पर केंद्रित था। नेशनल आउटरीच मैनेजर सुश्री शिफ़ा रिज़वी और बडी4स्टडी के सहायक प्रबंधक श्री मनोज कुमार ने सभी पाठ्यक्रमों की प्रथम वर्ष की छात्राओं को शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए इस छात्रवृत्ति के बारे में जानकारी दी और उनका मार्गदर्शन किया। इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय और 'बडी4स्टडी-इंडियाज़ लार्जेस्ट स्कॉलरशिप प्रोग्राम' के संयोजन में हुए इस कार्यक्रम से छात्राओं को एक जानकारीपूर्ण सत्र से जुड़ने का अवसर मिला, जिससे उन्हें स्कॉलरशिप 'एप्लीकेशन्स और क्राइटीरिया' के बारे में जानकारी मिली तथा सभी छात्राओं के लिए समान अवसरों को बढ़ावा देने में समान अवसर प्रकोष्ठ की प्रतिबद्धता भी प्रतिबिंबित हुई।

राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने के लिए 31 अक्टूबर, 2023 को ऐक्यम अर्थात 'एकता' का आयोजन किया गया था। यह भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने और इसकी विविधता में पाई जाने वाली एकता का उल्लेखनीय उत्सव था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं के बीच एकता को बढ़ावा देना और उन अनूठी परंपराओं, भाषाओं तथा कला रूपों का कीर्तिगान करना है जो भारत को समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बनाते हैं।

इस कार्यक्रम में अनेक गतिविधियां शामिल थीं जो इस दिन की उत्सवधर्मिता को बढ़ावा देने वाली थीं। दिन की शुरुआत 'यूनिटी वॉक' के साथ हुई, यह हृदय को द्रवित करने वाला क्षण था जहाँ छात्राओं ने अपने राज्य की पोशाकें पहनीं और एक साथ चलकर भारतीय संस्कृति की विविधता, एकजुटता और परस्पर सम्मान का प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया।

'भारत का सांस्कृतिक संयोजन' विषय पर एक पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई और छात्राओं द्वारा बनाए गए चित्रों के माध्यम से भारत की विविधता के भीतर पाई जाने वाली एकता को व्यक्त किया गया। बाद में भारत की एकता के उत्सव पर ज़ोर देते हुए इन चित्रों को पुस्तकालय में एकात्मकता के भाव से पूर्ण पुस्तक प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया।

'डांडिया धमाल' के दौरान विविध राज्यों की पोशाक पहनी छात्राओं की नृत्य प्रस्तुति ने संपूर्ण वातावरण को जीवंतता से भर दिया। महाविद्यालय की पश्चिमी और भारतीय नृत्य समीतियों ने अपनी विशेष प्रस्तुति द्वारा नृत्य के विविध रूपों का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में 'मेहंदी मेनिया' का भी आयोजन हुआ जिसमें छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता तथा कलात्मकता का प्रदर्शन किया। छात्राओं ने खाद्य स्टॉल लगाए, जिसमें प्रत्येक ने गर्व से अपने -अपने राज्य का प्रतिनिधित्व किया और लार्फिंग से लेकर ब्राउनी तथा गोलगप्पे से लेकर दाल चूरमा तक विविध क्षेत्रीय व्यंजन उपलब्ध थे।

समान अवसर प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'ऐक्यम' सभी छात्राओं, स्वयंसेवकों और आयोजकों के समर्पण और कड़ी मेहनत के प्रमाणस्वरूप सांस्कृतिक स्वरूप के एक उल्लेखनीय उत्सव के रूप में अत्यंत सफल आयोजन रहा।

सक्षम इकाई

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय ने विशेष आवश्यकता वाली छात्राओं की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एक सक्षम इकाई की स्थापना की है। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में कुल 22 दिव्यांग छात्राओं का प्रवेश हुआ तथा इस वर्ष 38 दृष्टिबाधित छात्राओं को एक गैर-सरकारी संगठन 'हेल्प द ब्लाइंड फाउंडेशन' द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति के लिए चुना गया।

सक्षम इकाई ने जनवरी-दिसंबर 2023 के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। वर्ष का प्रारंभ 1 फ़रवरी 2023 को दिव्यांग छात्राओं के लिए वार्षिक अंतर-महाविद्यालयी उत्सव 2023 के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्या प्रो. पूनम कुमरिया ने किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की प्रोफ़ेसर कुसुमलता मलिक ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्हें 'साहित्य, दिव्यांगता और समाजः एक संवाद' विषय पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। सक्षम इकाई ने सामर्थ्य उत्सव 2023 के एक भाग के रूप में अंतर महाविद्यालयी स्तर पर आशु भाषण, गायन और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इनमें दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के 100 से अधिक दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और विजेताओं को नकद पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। 21 मार्च 2023 को छात्राओं और संकाय सदस्यों ने 'वर्ल्ड डाउन सिंड्रोम डे' को चिह्नित करने के लिए 'पीले वस्त्र' पहने। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सोशल मीडिया पर तस्वीरें अपलोड कीं। सक्षम इकाई ने 28 अप्रैल को 2023 बैच के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया। स्नातक पाठ्यक्रमों की प्रथम और द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने वरिष्ठ छात्राओं के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पूनम कुमरिया ने शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 में 'राइज़' पाठ्यक्रम और कंप्यूटर कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाली छात्राओं को प्रमाण-पत्र दिए। नए शैक्षणिक वर्ष में 31 अगस्त 2023 को नवागंतुक छात्राओं के लिए एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सक्षम इकाई के समन्वयक और सदस्यों ने अपना परिचय दिया और महाविद्यालय में नामांकित दिव्यांग छात्राओं के लिए उपलब्ध बुनियादी ढांचे, विशेष सुविधाओं और सेवाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी। नये सत्र के आरंभ में ही 1 सितंबर 2023 से 21 सितंबर 2023 तक 15 दिवसीय 'मोबिलिटी ओरिएंटेशन कार्यक्रम' आयोजित किया गया। प्रमाणित मोबिलिटी प्रशिक्षक श्री अनिल कुमार ने दृष्टिबाधित छात्राओं को महाविद्यालय परिसर के भीतर और आसपास चलने-फिरने के लिए प्रशिक्षित किया। 26 सितंबर 2023 को 'हेल्प द ब्लाइंड फाउंडेशन' संगठन ने महाविद्यालय की पांच छात्राओं को

‘स्मार्ट विजन ग्लास’ भी वितरित किए और सभी प्राप्तकर्ताओं को स्मार्ट विजन ग्लास की उपयोगिता और कार्यप्रणाली से परिचित कराया गया। 18 अक्टूबर 2023 को महत्वपूर्ण ‘इंटरनेशनल व्हाइट केन सेफ़्टी डे’ मनाया गया। ‘हेल्प द ब्लाइंड फाउंडेशन’ की सुश्री ज्योति और श्री अश्वांग ने छात्राओं को ‘व्हाइट केन’ के उपयोग और प्रासंगिकता के बारे में जागरुक किया। लगभग 200 छात्राओं और संकाय सदस्यों की भागीदारी के साथ महाविद्यालय परिसर में व्हाइट केन जागरूकता मार्च आयोजित किया गया। प्राचार्या प्रो.पूनम कुमरिया ने भी इस मार्च में भाग लिया। उन्होंने मैत्री समिति के स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र वितरित किये। इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय की सक्षमता इकाई की छात्राएँ अत्यंत प्रतिभाशाली हैं। बीए (विशेष) संगीत प्रथम वर्ष की छात्रा, सुश्री सपना अहिरवार, दिल्ली विश्वविद्यालय में ‘तबला’ में विशेषज्ञता हासिल करने वाली एकमात्र छात्रा हैं।

वर्ष 2023 का समापन दिव्यांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के साथ हुआ। यह महाविद्यालय में 4 दिसंबर 2023 को मनाया गया। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की सहायक क्षेत्रीय निदेशक, डॉ. श्वेता सिंह ने इस दिन को यादगार बनाने के लिए ‘दृष्टिबाधितों के लिए डिजिटल लर्निंगः दायरा और प्रासंगिकता’ पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया।

महिला विकास प्रकोष्ठ

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के महिला विकास प्रकोष्ठ के लिए यह शैक्षणिक वर्ष बेहतरीन रहा। प्रकोष्ठ ने 14 फरवरी, 2023 को 'उन्मुक्त' का आयोजन किया जिसमें छात्राओं के लिए ओपन माइक, 'फ़ेस पेंटिंग', 'हेयर ब्रेडिंग' जैसी विविध गतिविधियाँ थीं तथा आभूषण, खाद्य पदार्थों तथा परिधानों से संबंधित विभिन्न स्टॉल लगाए गए थे। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 15 मार्च, 2023 को -'डिजिटऑल: जेंडर समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी' विषय को केंद्र में रखते हुए 'अनडॉन्टेबल', नारी संवाद और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जैसे विभिन्न सत्रों वाले अंतर महाविद्यालयी कार्यक्रम 'अस्तित्व' का आयोजन किया गया।

महिला विकास प्रकोष्ठ ने 'स्लीपवेल फाउंडेशन' के सहयोग से 31 अक्टूबर, 2023 को 'भावनात्मक स्वास्थ्य और भावनात्मक प्राथमिक चिकित्सा' पर कार्यशाला का आयोजन किया। दो सत्रों में आयोजित इस कार्यशाला की वक्ता सुश्री नीलम अग्रवाल (कार्यशाला प्रशिक्षक) थीं। कार्यशाला का उद्देश्य भावनात्मक स्वास्थ्य के बारे में मूल्यवान जानकारी देना, भावनाओं के विभिन्न पहलुओं को संबोधित करना और उनके प्रभाव को समझना था।

22 नवंबर, 2023 को स्लीपवेल फाउंडेशन के सहयोग से 'अवधारणा और संचार' पर दो सत्रों में एक और कार्यशाला आयोजित की गई। सुश्री नीलम अग्रवाल और सुश्री सिमी हंसपाल इस कार्यशाला की प्रशिक्षिकाएँ थीं। इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्ति के अपने वातावरण से प्रभावित होने और तदानुसार सूचना ग्रहण करने जैसी सूक्ष्म भावाभिव्यंजना पर बात करना था। इसमें यह बताया गया कि व्यक्ति विशेष किसी भी स्थिति या सूचना की व्याख्या अपने वातावरण से प्रभावित होकर करता है और तदनुरूप ही उसका अर्थ निकलता है।

महाविद्यालय की छात्राओं और संकाय सदस्यों ने 7 दिसंबर, 2023 को राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित 'हर स्टोरी-माई स्टोरी' कार्यक्रम में भी भागीदारी की। यह एक 'टॉक-शो' था जिसमें पद्म भूषण श्रीमती सुधा मूर्ति के जीवन और संघर्षो पर प्रेरणदायक बातचीत हुई।

'कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न पर शून्य सहनशीलता (रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम, 2013)' पर जागरुकता पैदा करने के लिए 12 दिसंबर, 2023 को 'ओपन माइक' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस विषय पर समाज को जागरुक बनाने के लिए छात्राओं, शिक्षकों और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने मार्च भी निकाला। जागरुकता फैलाने के

लिए महाविद्यालय परिसर, छात्रावास, पुस्तकालय और जलपान गृह के सूचना-पट्ट सहित विविध स्थलों पर पोस्टर लगाए गए।

गांधी स्टडी सर्कल

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय का गांधी स्टडी सर्कल, छात्राओं के सांस्कृतिक संवर्धन, जागरुकता और सामुदायिक भागीदारी में योगदान देकर पूरे 2023 में विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगा रहा है।

जनवरी में, गांधी स्टडी सर्कल ने राजनीति विज्ञान विभाग के संयोजन में गांधी स्मृति संग्रहालय का अध्ययन-दौरा किया। 28 जनवरी 2023 को आयोजित इस दौरे में छात्राओं को ऐतिहासिक बिड़ला हाउस में महात्मा गांधी के जीवन और दर्शन की एक झलक देखने को मिली।

7 अगस्त 2023 को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया । इस अवसर पर 'वीवर्स ऑफ़ इंडिया' नामक पुरस्कार प्राप्त वृत्तचित्र के साथ ही 'गूगल मीट' के माध्यम से निर्देशक श्री राघवेंद्र गंजी के साथ चर्चा भी दिखाई गई। इसमें 73 विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की। 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अनुरूप गांधी स्टडी सर्कल ने, हिंदी वाद विवाद समिति के सहयोग से, 11 अगस्त 2023 को 'आत्मनिर्भर भारत और गांधी मार्ग' पर ध्यान केंद्रित करते हुए हिंदी अंतर्महाविद्यालयी 'जस्ट ए मिनट' (जेएएम) प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें 21 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

खादी और हथकरघा को बढ़ावा देने के लिए सितंबर 2023 में 'अपना ताना बाना' नाम से एक श्रृंखला का आयोजन हुआ। कार्यक्रमों में एक ऑनलाइन नारा लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर बनाना, ऑनलाइन 'रील-मेकिंग' तथा फ़ेस पेंटिंग जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित हुईं और दो वृत्तचित्र दिखाए गए। इसमें खादी तथा हथकरघा के समृद्ध सांस्कृतिक, आर्थिक और ऐतिहासिक महत्त्व का प्रदर्शन किया गया। इन सभी गतिविधियों में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अक्टूबर 2023 की शुरुआत 2 और 3 अक्टूबर को 'वर्चुअल' शपथ ग्रहण गतिविधि के साथ हुई, जिसका विषय था 'करघा से अलमारी तकः खादी शपथ' । इसमें 55 छात्राओं, शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने भागीदारी की। इसके साथ ही महात्मा गांधी की 154वीं जयंती मनाई गई जिसमें 3 अक्टूबर 2023 को एक खादी 'पॉप-अप स्टोर' और जस्ट ए मिनट (जेएमएम) सत्र आयोजित किया गया।

ये आयोजन सामूहिक रूप से वर्ष 2023 के दौरान इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में सांस्कृतिक विरासत, सतत अभ्यास और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए गांधी स्टडी सर्कल की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

अकादमिक-सांस्कृतिक संयोजन

विज्ञान समिति - अनंता

दिल्ली विश्वविद्यालय के इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की विज्ञान समिति 'अनंता' ने 31 जनवरी 2023 को 'ब्लॉकचेन' और 'क्रिप्टोकरंसी' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें सुरक्षित लेनदेन, अनुपालन लागत को कम करने और डाटा प्रेषण प्रक्रिया में गति लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। वक्ताओं ने दर्शकों को दृश्य माध्यम की सहायता से बिटकॉइन पोर्टल के लिए साइन अप करने की प्रक्रिया से परिचित करवाया। उन्होंने संवाद सत्र में क्रिप्टोकरंसी से संबंधित सीमाओं और जोखिमों के बारे में बात की और कुछ सामग्री साझा की जिनका उपयोग इन जोखिमों का मुकाबला करने के लिए किया जा सकता है।

28 जनवरी को इनक्विज़िटर्स ने 'श्रम बाज़ार' का आयोजन किया जो छात्राओं में भविष्य में शिक्षा की प्रासंगिकता को समझने और रोज़गार क्षमता विकसित करने पर केंद्रित था।

24 फ़रवरी को इनक्विज़िटर्स'21 ने भूगोल विभाग के साथ मानव स्वास्थ्य और आरोग्यता के लिए आवश्यक स्वच्छ पर्यावरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए 'पर्यावरण स्वास्थ्य' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

समिति ने 27 फ़रवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा इस वर्ष का मुख्य विषय 'वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक विज्ञान' घोषित किया गया था। पर्यावरण संबंधी विविध विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुतिकरण का आयोजन हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने छह से सात मिनट में अपने शोध-आलेख प्रस्तुत किए और उसके बाद रूचिपूर्ण प्रश्नोत्तरी हुई। कार्यक्रम के दूसरे दिन प्राचार्या प्रो.पूनम कुमरिया ने विज्ञान समिति की पत्रिका का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 'विज्ञान को अक्सर एक अलग विषय माना जाता है लेकिन प्रत्येक विषय के पीछे विज्ञान होता है और यह हमारे जीवन के हर पहलू में, हर जगह मौजूद होता है।' दो दिवसीय कार्यक्रम में पर्यावरण, संरक्षण, संधारणीयता आदि पर विभिन्न कार्यक्रम हुए और फिर स्वास्थ्य में प्रौद्योगिकी' विषय पर चर्चा का आयोजन किया गया। विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से बड़ी संख्या में प्रविष्टियों के साथ विद्यार्थियों ने 'सस्टेनेबिलिटी इन एक्शन' विषय पर फ़ोटोग्राफ़ी प्रतियोगिता में भी भागीदारी की।

8 अप्रैल को, इन्क्विज़िटर्स'22 ने बी.ए.(प्रोग्राम) विभाग के साथ 'विज्ञापन तथा ब्रांड मार्केटिंग का मनोविज्ञान' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी में उन मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं को समझना शामिल था जो लोगों के ब्रांड को समझने, उसका मूल्यांकन तथा चुनाव करने की प्रक्रिया को प्रभावित करती है। उपभोक्ता के व्यवहार, उनकी उत्पाद के प्रति अवधारणा तथा निर्णय पर ब्रांडिंग के प्रभाव को भी चिन्हित किया गया।

विभिन्न विभागों की अनेक छात्राओं ने विविध परियोजनाओं और मॉडलों पर काम किया, जो यहाँ सूचीबद्ध हैः

कृतिका रोहिला, उज्जैनी और कशिश ने आरडीनो तथा अल्ट्रासोनिक सेंसर का उपयोग करके एक रडार सिस्टम बनाया जो किसी वस्तु को ढूँढने और दूरी मापने के लिए एक किफ़ायती और परिवर्तन योग्य समाधान है।

कृतिका रोहिला ने एक 'मोर्स कोड ट्रांसलेटर' विकसित किया है, जिससे उपयोगकर्ता टेक्स्ट को मोर्स कोड सिग्नल में बदल सकते हैं और मोर्स कोड को वापस टेक्स्ट में डीकोड कर सकते हैं।

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के द्वितीय वर्ष की छात्रा सिमरन विशिष्ट ने 'वॉटर लेवल डिटेक्शन' पर काम किया, जिसका उद्देश्य इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए आरडीनो तथा अल्ट्रासोनिक सेंसर का उपयोग करके विश्वसनीय जल स्तर डिटेक्शन सिस्टम विकसित करना है। सिमरन विशिष्ट ने 'स्मार्ट ड्राइविंग ग्लास' भी विकसित किया, जो दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करने के लिए सेंसर, कनेक्टिविटी मॉड्यूल और अलर्ट सिस्टम जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर वाहन चालक को सही समय पर चेतावनी और सूचनाएं प्रदान करता है।

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के द्वितीय वर्ष की छात्रा गौरी सक्सेना ने धुएं का तुरंत पता लगाने और समय पर निकासी सुनिश्चित करने के लिए सेंसर, माइक्रोकंट्रोलर और अलार्म तंत्र का उपयोग करके एक स्मोक डिटेक्टर विकसित किया।

गौरी सक्सेना और सादगी तिवारी कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने 'फ्लेम डिटेक्टिंग सिस्टम' विकसित किया। यह एक ऐसी प्रणाली है जो लौ के आकार और तीव्रता के बावजूद विभिन्न वातावरण में आग की लपटों का सटीकता से पता लगाने और त्वरित कार्रवाई तथा शमन के लिए समय पर चेतावनी देने के लिए उन्नत सेंसर और एल्गोरिदम का उपयोग करती है।

साक्षी और सिमरन विशिष्ट ने एक ध्वनि प्रणाली विकसित की, जो ताली जैसे विशिष्ट ध्वनि पैटर्न का पता लगाकर एक एलईडी लाइट जलाने जैसा कार्य कर सकती है। इसे उन्होंने 'साउंड मॉनिटरिंग सिस्टम विद क्लैप डिटेक्शन' कहा।

भूगोल विभाग के द्वितीय वर्ष की छात्रा आशिमा राठौर और प्राची मिश्रा ने वर्तमान समय में खेती योग्य भूमि की उपलब्धता की समस्या को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक खेती के रूप में 'हाइड्रोपोनिक खेती' का विचार विकसित किया।

गौरी सक्सेना ने सोल्डरिंग, वेल्डिंग या अन्य औद्योगिक प्रक्रियाओं के दौरान हवा से हानिकारक धुएं और कणों को हटाने के लिए एक 'धुआं अवशोषक' विकसित किया।

मनोविज्ञान की छात्रा सानिध्या शर्मा ने सोल्डरिंग, वेल्डिंग या अन्य औद्योगिक प्रक्रियाओं के दौरान हवा से हानिकारक धुए और कणों को हटाने के लिए 'स्ट्रूप एक्सपेरिमेंट' प्रस्तावित किया।

मनोविज्ञान विभाग की छात्रा रिया सिन्हा ने 'क्षमा करने और विनम्र बने रहने' का लक्ष्य विकसित किया जिससे पता चल सके कि क्या हमारी आज की छात्राओं में भी ऐसे ही गुण मौजूद हैं, यदि हाँ, तो उनके संबंध कितने मज़बूत और किस प्रकार के हैं।

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के द्वितीय वर्ष की छात्रा ऑरिका निंगथौजम और भाविका श्रीवास्तव ने जलाशयों, नदियों, झीलों और समुद्र तटों में तैरते जलीय पौधों के मलबे को इकट्ठा करने के लिए 'रिवर क्लीनिंग बोट' विकसित की है। इस कटाई मशीन के सभी 'हाईड्रोलिक' भागों.के लिए उच्च गुणवत्ता वाले सीलिंग उपकरण का उपयोग किया गया है।साक्षी ने 'इंजन नॉन-फंक्शनिंग सिस्टम के साथ 'अल्कोहल डिटेक्शन' विकसित किया।

शांभवी और शीतल ने स्वचालित 'ज़ेबरा क्रॉसिंग' प्रस्तावित किया जो यातायात संकेत के लाल होने पर वाहनों के समक्ष रैम्प लाकर उन्हें जाने से रोकेगा तथा पैदल यात्रियों को सड़क पार करने में सहायक होगा।

पाठ्येतर गतिविधियां (ई.सी.ए.)

पाठ्येतर गतिविधियों की विस्तृत श्रृंखला संगीत, नाटक, नृत्य, वाद-विवाद, ललित कला, फ़ोटोग्राफ़ी, फ़िल्म-निर्माण और प्रश्नोत्तरी जैसे सभी क्षेत्रों में युवा प्रतिभाओं का पोषण करती है और महाविद्यालय में जीवन को गतिशील, जीवंत तथा आनंदमय बनाते हुए छात्राओं को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती है।यह वर्ष महाविद्यालय के सदस्यों के सहयोग से पाठ्येतर गतिविधियों में अनेक प्रथम और शानदार क्षण लेकर आया। इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय ने अपने आयोजन से न केवल विश्वविद्यालय समुदाय को प्रभावित किया, बल्कि मनमोहक जेंग बिहू प्रदर्शन के साथ प्रथम पुरस्कार भी जीता। महाविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृति परिषद के सहयोग से वर्ष के प्रारंभ में प्रतिष्ठित अंतरमहाविद्यालयी लोक ऑर्केस्ट्रा संगीत प्रतियोगिता का पहला आयोजन किया। इस अकादमिक वर्ष महाविद्यालय को दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृति परिषद और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के साथ कार्य करने के अधिक अवसर मिले। वर्ष का समापन दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 'जी20 अकादमिक-सांस्कृतिक इनडलजैंसः साउथ कोरिया-भारत मैत्री के 50 वर्ष' विषय पर हुए अत्यंत सफल सांस्कृतिक आयोजन से हुआ। दो दिनों का यह आयोजन बौद्धिक और कलात्मक आदान-प्रदान का अवसर था।

इस वर्ष प्रत्येक समिति ने अपने-अपने रचनात्मक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। नाट्य समिति '**अभिव्यक्ति**' के लिए यह वर्ष बहुत रचनात्मक और उपयोगी रहा। समिति ने वर्ष की शुरुआत नए सदस्यों की नाटकीय कला की समझ को विकसित करने और नाट्य-कौशल को बढ़ावा देने के लिए गहन प्रशिक्षण के साथ की। समिति ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विविध महाविद्यालयों और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में हुई प्रतियोगिताओं में प्रशंसा प्राप्त की, जिनमें सबसे प्रतिष्ठित उपलब्धि- शेक्सपियर सोसाइटी और ज़ाकिर हुसैन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हुई राष्ट्रीय नाटक प्रतियोगिता में प्राप्त सर्वश्रेष्ठ नाटक का पुरस्कार था। अंतरमहाविद्यालय और अंतरविश्वविद्यालय का सांस्कृतिकोत्सव, नाट्य-समिति के लिए उत्साह और उमंग से पूर्ण था। समिति को मंचीय श्रेणी में एक और नुक्कड़ नाटक श्रेणी में नौ पुरस्कार मिले। मार्च 2023 में 'अभिव्यक्ति' ने महाविद्यालय में अपनी बेहद लोकप्रिय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता 'चौराहा' की सफलतापूर्वक मेज़बानी की। इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय की नाट्य समिति ने पर्यावरण विज्ञान विभाग और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में 'वायु प्रदूषण के ख़तरे' विषय पर विशेष प्रदर्शन किया जिसे मुख्य अतिथियों और दर्शकों द्वारा बहुत सराहना मिली।

पश्चिमी नृत्य समिति **'अफ़रोज़ा'** ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतरमहाविद्यालयी सांस्कृतिकोत्सव में उत्साह से भागीदारी की। समिति ने दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह महाविद्यालय में आयोजित 'डांस रौलेट चैंपियनशिप' में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। साथ ही अन्य पाँच प्रतियोगिताओं में विशेषोल्लेख सहित अन्य पुरस्कार जीते। अफ़रोज़ा ने महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव 'श्रुति 2023' में अपनी पाश्चात्य नृत्य प्रतियोगिता 'व्हैकीफ़ीट' का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें पंद्रह महाविद्यालयों से अलग-अलग समूहों ने भागीदारी की और पुरस्कार जीते। टीम ने एकता दिवस 2023 पर कॉलेज के समान अवसर प्रकोष्ठ (ईओसी) द्वारा आयोजित आज़ादी का अमृत महोत्सव तथा 'ऐक्यम' समारोह के विशेष अवसर पर 'फ़्लैश मॉब' का आयोजन किया।

महाविद्यालय की भारतीय संगीत समिति **'आलाप'** ने वर्ष 2023 में मनाए जाने वाले प्रत्येक कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलगीत की भावपूर्ण प्रस्तुति के साथ किया। महाविद्यालय के विविध कार्यक्रमों में आलाप की प्रस्तुति सर्वाधिक प्रशंसनीय और प्रतीक्षित रहती है।अपने अनुशासन और सतत अभ्यास से 'आलाप' महाविद्यालय में आने वाले विशिष्ट अतिथियों से प्रशंसा प्राप्त करती रही है साथ ही विश्वविद्यालय के 'इंडियन म्यूजिक सर्किट' में भी एक लोकप्रिय टीम बनी रही। महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में निनाद 2023 का सफल आयोजन किया। वर्ष 2023 में समिति ने दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृति परिषद के सहयोग से इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में पहली बार आयोजित प्रतिष्ठित अंतरमहाविद्यालयी लोक ऑर्केस्ट्रा संगीत प्रतियोगिता में जेंग बिहू प्रस्तुति के साथ प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

ललित कला समिति **'क्रॉयडॉन'** अपने सदस्यों की रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और विभिन्न अंतरमहाविद्यालयी तथा अंतर-विश्वविद्यालयी प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करती है। समिति ने अपने सदस्यों के लिए विभिन्न माध्यमों और कला की अनेक शैलियों संबंधी विभिन्न कौशल-संवर्द्धी कार्यक्रम आयोजित किए। समिति के सदस्यों द्वारा बनाए गए उत्पादों के लिए क्रॉयडॉन के प्रदर्शनी-और-बिक्री स्टॉल, मुख चिंत्रांकन स्टॉल तथा सेल्फ़ी-प्वाइंट बेहद सफल रहे हैं।

समिति ने अमृत कलश यात्रा, आर्द्रभूमि पुनर्संरक्षण जागरुकता दिवस, एकता दिवस, भारत की जी20 अध्यक्षता सहित अनेक अवसरों के सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय की विविध समितियों के साथ सहयोग किया। क्रॉयडॉन और आई.आई.टी. दिल्ली की ललित कला समिति के संयोजन में हुई 'आर्ट-वॉक' महाविद्यालय क्षेत्र से परे सहअधिगम में एक उपयोगी क़दम था।

महाविद्यालय की प्रश्नोत्तरी समिति **'एरुडाइट'** ने अपने 500 से अधिक सदस्यों को प्रश्नोत्तरी कला में सम्मिलित किया। समिति ने इंस्टाग्राम पर विश्व रेडियो दिवस तथा गूगल मीट पर भारतीय इतिहास के उपलक्ष्य में प्रश्नोत्तरी आयोजित की। मध्य सत्र अवकाश के समय भी इनमें सक्रिय भागीदारी रही। आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए श्री राम कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स की प्रश्नोत्तरी समिति के सहयोग से, भारत के व्यंजनों पर एक मनोरंजक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास पर आधारित वार्षिक उत्सव 2023 के अवसर पर अंतरमहाविद्यालयी प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम 'डीयू-आईज़ैड'23 में हमारी कुछ छात्राओं सहित विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार भागीदारी की। समिति के सदस्यों ने प्रतिष्ठित संस्थानों और आई.आई.टी. दिल्ली, एम.एक्स. प्लेयर, सेंट स्टीफंस कॉलेज, श्री राम कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स, हिंदू कॉलेज, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, जीसस एंड मैरी कॉलेज, शहीद भगत सिंह कॉलेज और रामजस कॉलेज जैसे प्लेटफ़ार्मों द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में भाग लिया और पुरस्कार जीते।

अंग्रेज़ी वाद-विवाद समिति के लिए यह वर्ष अत्यंत उत्साहपूर्ण रहा, जिसका आरंभ जनवरी 2023 में प्रतिष्ठित 'के.के. बिड़ला मेमोरियल' वाद-विवाद के साथ हुआ जिसे हाइब्रिड प्रारूप में दो दिन आयोजित किया गया। इसका प्रारंभिक दौर/राउंड ऑनलाइन आयोजित किया गया था जिसमें सोलह दलों ने भाग लिया। इनमें से आठ दल दूसरे दौर में पहुँचे। इसमें दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, लेडी श्रीराम महिला महाविद्यालय, मिरांडा हाउस, हंसराज महाविद्यालय, किरोड़ीमल महाविद्यालय जैसे कई शैक्षणिक संस्थानों ने भागीदारी की। समिति ने अपने सदस्यों को वाद-विवाद कौशल और वाद-विवाद के विभिन्न प्रारूपों से परिचित कराने में सहायता के लिए नियमित प्रशिक्षण सत्र (ऑनलाइन और ऑफ़लाइन) आयोजित किए। ये सत्र समिति के वरिष्ठ सदस्यों और वाद-विवाद तथा सार्वजनिक भाषण के क्षेत्र के विशेषज्ञों ने आयोजित किए । समिति के लगभग तीस सदस्यों की 'दिल्ली डिबेटिंग सर्किट' में उल्लेखनीय भागीदारी रही।

पश्चिमी संगीत समिति **'ला कैडेंज़ा'** ने संगीत प्रतिभाओं और जीवंत संगीतात्मक वातावरण को बढ़ावा दिया। समिति ने 30 जनवरी, 2023 को शहीद दिवस स्मरणोत्सव में प्रस्तुति दी। इन्द्रपस्थ महिला महाविद्यालय वार्षिकोत्सव 'श्रुति' 2023 में एकल गायन प्रतियोगिता 'एरिएटा' और गायन मंडली प्रतियोगिता 'रैप्सोडी' आयोजित किए गए। समिति के सदस्यों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विविध महाविद्यालयों मेंअपनी प्रतिभा दिखाने और समुदाय तथा सहयोग की भावना को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं में सक्रिय

रूप से भाग लिया। अकादमिक वर्ष 2023 में 'ला केडेंज़ा' के प्रयास उत्कृष्टता, रचनात्मकता और संगीत संवर्धन की दृष्टि से उल्लेखनीय रहे।

महाविद्यालय की भारतीय नृत्य समिति **'मृदंग'** एक समावेशी मंच है जो विविध नृत्य रूपों का अभ्यास और प्रचार करके भारत की सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाने की महत्वाकांक्षा रखता है। 'मृदंग' ने वर्ष की शुरुआत प्रतिभाशाली सुश्री शिखा शर्मा के मनमोहक कत्थक व्याख्यान प्रदर्शन से की। महाविद्यालय का दौरा करने वाले यू.एस.आई.ई.एफ. की 'फ़ुलब्राइट स्कॉलर्स टीम' के साथ हुए संवादात्मक सत्र में 'मृदंग' ने भारतीय शास्त्रीय फ़्यूजन नृत्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में 'मृदंग' ने अंतरमहाविद्यालयी लोक नृत्य प्रतियोगिता 'नाज़' का आयोजन किया। 'मृदंग' ने अन्य मंचों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शनकर न केवल सभी को प्रसन्न किया अपितु कत्थक, भरतनाट्यम, मोहिनीअट्टम, ओडिशी, सत्तरिया, कोल्लाटम, गरबा और कालबेलिया जैसी भारतीय सांस्कृतिक विविधता और समृद्धि का सुंदर समायोजन किया ।

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की हिंदी वाद-विवाद समिति **'संवाद'** ने 2023 में विभिन्न कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का सफल आयोजन किया जिनका उद्देश्य छात्राओं में बौद्धिक तथा तार्किक क्षमता का विकास करना था। समिति के सदस्यों ने अनेक अंतरमहाविद्यालयी और राष्ट्रीय स्तर की वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में अपने महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए अनेक पुरस्कर प्राप्त किए। वर्ष 2023 की शुरुआत अनेक कार्यशालाओं की श्रृंखला से हुई, जिसमें समिति ने जनवरी में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ.राजेश कुमार जी के साथ दर्शनशास्त्र के मूल को समझा। इसके पश्चात फ़रवरी में समिति के वरिष्ठ सदस्यों ने संसदीय वाद-विवाद की कार्यशाला का आयोजन कर अन्य छात्राओं को वाक् शैली और प्रस्तुतिकरण के नियमों से अवगत करवाया। इसी क्रम में फ़रवरी में साम्यवाद और राष्ट्रवाद की संकल्पनाओं पर भी एक कार्यशाला का आयोजन किया। मार्च में महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के 25 से अधिक महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। "संवाद" ने अगस्त 2023 को महाविद्यालय के "गांधी अध्ययन मंडल" के साथ मिलकर एक ऑनलाइन अंतः महाविद्यालयी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसी क्रम में सितंबर 2023 में "दिनकर जयंती" के उपलक्ष्य में "वसुधैव कुटुम्बकम" विषय पर एक ऑनलाइन अंतः महाविद्यालयी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य छात्राओं को सही मायने में एक कुटुंब का अर्थ समझाना रहा। समय-समय पर समिति में ऑनलाइन व ऑफ़लाइन माध्यम से सप्ताह में 5 दिन दैनिक सत्रों का आयोजन भी किया। इन सत्रों में पारंपरिक वाद-विवाद, टर्नकोर्ट,

आशुभाषण, भाषण, गसामूहिक चर्चा, संसदीय वाद- विवाद आदि का अभ्यास हुआ। दैनिक सत्रों का उद्देश्य समिति के सदस्यों को अंतः महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना था। समिति के सदस्यों ने इस वर्ष वाद-विवाद से जुड़ी 100 से अधिक प्रतियोगिताओं में भाग लिया और 'सर्वश्रेष्ठ दल', 'सर्वश्रेष्ठ वक्ता' व 'सर्वश्रेष्ठ प्रश्नकर्ता' जैसे अनेक पुरस्कार प्राप्त कर समिति और अपने महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

सिनेमा और छायांकन के प्रति उत्साही विद्यार्थियों के लिए **'सिमुलैक्रा'** एक लोकप्रिय समिति है। महाविद्यालय प्रांगण में आयोजित 'ट्रॉपेस'23 सभी श्रेणियों में एक बड़ी सफलता थी जिसमें त्वरित छायांकन, एक मिनट में फ़िल्म निर्माण तथा 'कॉसप्ले' प्रतियोगिताएँ हुईं। 'सिमुलैक्रा' की सिनमा दल और छायांकन दल ने कई अंतःमहाविद्यालयी प्रतियोगिताओं में भाग लिया और प्रशंसा प्राप्त की, जिनमें किरोड़ीमल महाविद्यालय, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, श्री राम कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय और आई.आई.टी. कानपुर शामिल हैं। समिति के लिए सबसे सुखद क्षण 'वीर सैनिकों के सम्मान में 'वीरों का वंदन, मिट्टी को नमन' शीर्षक कार्यक्रम के अंतर्गत 'मेरी माटी मेरा देश' की स्मृति में सप्ताह भर चली 'फिल्म-स्क्रीनिंग' थी। यह महोत्सव बहुत सफल रहा और इस दौरान आयोजन स्थल दोपहर देर तक दर्शकों से खचाखच भरा रहा।

खेल-कूद

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग ने महाविद्यालय की छात्राओं के लिए 3 से 4 फ़रवरी 2023 तक महाविद्यालय के जिम्नेज़ियम में शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता के लिए विभिन्न विभागों से कुल 54 छात्राओं ने पंजीकरण करवाया, जिनमें से 36 ने इसमें भाग लिया। कुल 7 राउंड आयोजित किये गये जिनमें पहला राउंड नॉक आउट राउंड था। इसके बाद पहले दौर की विजेताओं के बीच मुकाबला हुआ। इसमें बी.कॉम विशेष (द्वितीय वर्ष) की प्रचेता अग्रवाल प्रथम स्थान पर रहीं, समाजशास्त्र विभाग (द्वितीय वर्ष) से मान्या दीप्तम दूसरे और बी.कॉम विशेष (प्रथम वर्ष) से अनन्या जैसल तीसरे स्थान पर रहीं।

दिल्ली विश्वविद्यालय के खेल परिषद के तत्वावधान में इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग ने 06-09 फ़रवरी 2023 तक अंतरमहाविद्यालयी नेटबॉल चैंपियनशिप (महिला) 2022-23 का आयोजन किया। टूर्नामेंट में 15 प्रतिष्ठित महिला कॉलेजों ने भागीदारी की । दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध सौ से अधिक नेटबॉल खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में भाग लिया। यह मुक़ाबला महाविद्यालय के नेटबॉल कोर्ट पर नॉकआउट-कम-लीग आधार पर हुआ।

विभाग ने महाविद्यालय में अंतरविभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह आयोजन 15 से 17 फरवरी 2023 तक महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित किया गया था। प्रतियोगिता के लिए कुल 11 विभागों से 14 टीमों ने पंजीकरण करवाया। इसमें बड़ी संख्या में लगभग 350 से 400 छात्राओं ने भागीदारी की। प्रतियोगिता का समाजशास्त्र विभाग और इतिहास विभाग के बीच खेला गया जिसमें समाजशास्त्र विभाग ने 9 रनों से जीत हासिल की। आदरणीय प्राचार्या प्रो. पूनम कुमरिया ने दोनों टीमों को ट्रॉफ़ी से सम्मानित किया।

विभाग ने 24 मार्च, 2023 को 3 ऑन 3 महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम के लिए प्रारंभिक टिप्पणी प्राचार्या प्रो. पूनम कुमरिया ने दी। अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी सुश्री विद्या रामनारायण इसमें अतिथि थीं। यह कार्यक्रम सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों और क्लबों के लिए खुला था। प्रतियोगिता के लिए कुल 44 टीमों ने पंजीकरण करवाया। शीर्ष 3 टीमों को नक़द पुरस्कार और भाग लेने वाली सभी टीमों को ट्रॉफ़ी के साथ प्रमाण पत्र दिए गए।

महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव 'श्रुति' के अवसर पर 27 मार्च को शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह सभी विद्यार्थियों के लिए एक खुली प्रतियोगिता थी। प्रतियोगिता के लिए पुरुष एवं महिला वर्ग से कुल 18 पंजीकरण हुए।

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग ने योग और आरोग्यता केंद्र के सहयोग से आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) के तत्वावधान में ध्यान पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसका संचालन डॉ. अजय शास्त्री ने किया जो योग विशेषज्ञ और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफ़ेसर हैं। यह कार्यक्रम 24 अप्रैल 2023 को कॉलेज सभागार में आयोजित किया गया था। इस कार्यशाला में कुल 265 छात्राओं ने भाग लिया। डॉ. अजय शास्त्री ने योग और ध्यान की गहन व्याख्या की। उन्होंने ध्यान की प्रक्रिया के दौरान साँस लेने की कई तकनीकों का प्रदर्शन किया और छात्राओं ने भी इसका पालन किया। उन्होंने जीवन में प्रतिदिन योग और ध्यान के महत्व पर चर्चा की और फिर सभी ने योग और स्वास्थ्य से संबंधित अपने प्रश्न रखे जिनका समाधान विशेषज्ञ ने सहजता के साथ दिया। यह बहुत ही जानकारीपूर्ण इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को ध्यान के लाभ बताना और यह जागरुकता लाना था कि योग द्वारा अनेक मानसिक और शारीरिक रोगों का इलाज भी किया जा सकता है। अतः योग प्रत्येक व्यक्ति की दिनचर्या में अनिवार्यत: होना चाहिए।

पुस्तकालय

1. पुस्तकालय के संसाधन

क)	31/03/2023 तक पुस्तकालय में मुद्रित पुस्तकों की कुल संख्या	-	97257
•	31/03/2022 तक पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या	-	96865
•	मुख्य परिग्रहण रजिस्टर में जोड़ी गई पुस्तकें	-	392
•	जोड़ी गई पाठ्य पुस्तकें	-	189
•	दान में प्राप्त पुस्तकें	-	43
•	वापस ली गई पुस्तकें (-)	-	(-) 4
ख)	ई-रिर्सोसेस की कुल संख्या (सीडी/डीवीडी-ऑफ़-लाइन)	-	349
ग)	पुस्तकालय द्वारा सब्सक्राइब किए गए ई- रिर्सोसेस की कुल संख्या (यूजीसी-एन लिस्ट/डी.यू.एल.एस/डी.ई.एल.एन.ई.टी.)	-	
घ)	सदस्यता प्राप्त अकादमिक पत्रिकाओं की संख्या	-	74
ङ)	पत्रिकाओं की संख्या	-	24
च)	सजिल्द पत्रिकाओं की संख्या	-	4775

2. पुस्तकालय की सेवाएं

क) बुक लेंडिंग/ई-सेवाएं

सदस्यता/नवीनीकरण	-	3835
पुस्तक प्रसार संख्या	-	24023
प्रसार संख्या	-	33082
ई-क्लीयरेंस/कुछ देय नहीं	-	682

ई-पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की संख्या	-	4807
(ओपीएसी/एक्सेस ई-रिर्सोसेस)		
ओपीएसी/ई- रिर्सोसेस एक्सेस लॉग की संख्या	-	12865

ख) वाचनालय

बैठने की क्षमता	-	320
वाचनालय उपयोग करने वालों की संख्या	-	58013
(मासिक औसत = 4834)		

ग) संदर्भ सेवा

ग्रंथपरक सेवा/प्रकाशक कैटलॉग

जर्नल और पत्रिकाएं

त्वरित संदर्भ सेवाएं

शब्दकोश

विश्वकोश

वार्षिकी

जीवनी संबंधी स्त्रोत

भौगोलिक स्त्रोत

पाठ्यक्रम/प्रश्न पत्र

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को वैयक्तिक सहायता

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के लिए आरक्षित संग्रह

दीर्घ कालीन संदर्भ सेवा (मांग पर)

नवागत प्रकाशन का प्रदर्शन (पुस्तकें और सामयिक पत्रिकाएं)

(घ) ऑन-लाइन सेवाएँ/ई-सेवाएँ

साहित्यिक चोरी की जाँच संबंधी सेवाएं

महाविद्यालय समुदाय के लिए वेब ओपीएसी (ऑन-लाइन-पब्लिक एक्सेस-कैटलॉग) चैबीस घंटे उपलब्ध

दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय द्वारा सदस्यता प्राप्त ई-जर्नल और ई-डेटाबेस को दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइड-नेटवर्क के माध्यम से तथा दिल्ली विश्वविद्यालय की डोमेन ईमेल के माध्यम से महाविद्यालय परिसर तथा अन्यत्र किसी भी स्थान से देखा और जाँचा जा सकता है।

पुस्तकालय द्वारा बनाए गए यूज़र आईडी/पासवर्ड के माध्यम से यूजीसी-एन.एल.आई.एस.टी. ई-डेटाबेस, ई-जर्नल और ई-बुक्स दुनिया भर में कहीं से भी चौबीस घंटे देखी जा सकती हैं।

डैलनैट-इंटर लाइब्रेरी ऋण और ई-सेवाएँ डैलनैट द्वारा सुलभ हैं।

ई-सेवाओं के अंतर्गत पुस्तकालय वेब पोर्टल के माध्यम से सभी पाठ्यक्रम और परीक्षा प्रश्नपत्र डिजिटीकृत रूप में सुलभ हैं ।

(ड) प्रतिलिपिकरण (रिप्रोग्राफ़िक) सेवा

पुस्तकालय में प्रदान की जाने वाली फ़ोटो-कॉपी और प्रिंटिंग सेवा केवल पुस्तकालय प्रलेखों और शैक्षणिक तथा अनुसंधान संबंधी उद्देश्य के लिए डाउनलोड किए गए ई-लेखों के लिए है।

(च) बुक बैंक सेवा

इस सेवा के अंतर्गत वर्तमान सत्र के लिए महाविद्यालय की उन ज़रूरतमंद छात्राओं को पुस्तकें दी गईं जिनके नाम विविध विभागों के पुस्तकालय समिति के सदस्यों के माध्यम से भेजे गए थे।

(छ) दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए विशेष सेवाएं

पुस्तकालय दिव्यांग और अन्य छात्राओं की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए विविध सुविधाओं से लैस है।

पुस्तकालय के पूर्ण प्रयोग हेतु लिफ़्ट की व्यवस्था है।

पुस्तकालय में उपयोगकर्ताओं के लिए विशेष कक्ष हैं जिनमें कम्प्यूटर तथा (ओ.पी.ए.सी.) सॉफ़्टवेयर की सुविधा है ।

पुस्तकालय के कर्मचारी, दृष्टिबाधित छात्राओं और अन्य सदस्यों की सहायता के लिए सदैव तैयार रहते हैं।

पुस्तकालय द्वारा महाविद्यालय की सक्षम इकाई में निम्नांकित सुविधाएं दी गई हैं :

थ्री-इन-वन एंजेल पॉकेट डेज़ी प्लेयर	-	92
डेज़ी बुक्स (टॉकिंग बुक्स)	-	344
ब्रेल पत्रिकाएं	-	1
ब्रेल पुस्तकें	-	238
ब्रेल पृष्ठ	-	200
ब्रेल संदर्भ पुस्तकें-शब्दकोश	-	250
स्क्रीन -रीडिंग सॉफ़्टवेयर के साथ कम्प्यूटर	-	6
एम्बॉसर (ब्रेल प्रिंटर)	-	1
लेक्स-एयर कैमरा (प्रिंट में सहायक उपकरण)	-	2 नोटबुक के साथ 1

दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए नेशनल एटलस एंड थीमैटिक मैपिंग ऑर्गनाइज़ेशन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, कोलकाता द्वारा 2017 में प्रकाशित भारत का एटलस-2

3. छात्राओं के लिए पुस्तकालय उन्मुखीकरण कार्यक्रम

प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से पुस्तकालय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके बाद उन्होंने लाइब्रेरी का दौरा किया ।

दृष्टिबाधित छात्राओं को पुस्तकालय कर्मचारियों की सहायता से समान अवसर प्रकोष्ठ और सक्षमता इकाई में प्रिंट असिस्ट डिवाइस (लेक्स-एयर-कैमरा) का उपयोग करने में सक्षम बनाने के लिए स्कैनिंग-कम-हैंड-ऑन जानकारी प्रदान की गई।

4. पुस्तकालय विस्तारित सेवाएं

सक्षमता इकाई में पुस्तकालय द्वारा प्रदत्त सेवाएं : दृष्टिबाधित छात्राओं को एक ही छत के नीचे पुस्तकालय सेवाएं प्रदान करने के लिए विशेष व्यवस्था।

संग्रहालय और अभिलेखागार सेवाएं: आगंतुकों, शोधकर्ताओं और महाविद्यालय समुदाय को संग्रहालय और अभिलेखागार तक पहुंच की सुविधा।

प्रवेश 2023-2024

बी.ए. (विशेष)/ वाणिज्य विशेष /बी.एस.सी (विशेष) /बी.ए. प्रोग्राम, एम.ए. (पूर्व) में प्रवेश पाने वाली छात्राओं की संख्या :-

पाठ्यक्रम का नाम	**छात्राओं की संख्या**
बी. ए. (विशेष) अर्थशास्त्र	64
बी. ए. (विशेष) अंग्रेज़ी	73
बी. ए. (विशेष) भूगोल	61
बी. ए. (विशेष) हिंदी	62
बी. ए. (विशेष) इतिहास	69
बी. ए. (विशेष) मल्टी मीडिया और मास कम्यूनिकेशन	79
बी. ए. (विशेष) संगीत	12
बी. ए. (विशेष) राजनीति विज्ञान	155
बी. ए. (विशेष) दर्शनशास्त्र	61
बी. ए. (विशेष) मनोविज्ञान	92
बी. ए. (विशेष) संस्कृत	24
बी. ए. (विशेष) समाजशास्त्र	60
वाणिज्य विशेष	152
बी.एस.सी. (विशेष) कंप्यूटर साइंस	68
बी.एस.सी. (विशेष) गणित	64
बी. ए. प्रोग्राम	320
कुल	1416
एम. ए. (पूर्व)	123

विदेशी छात्राएं (स्नातक)	**छात्राओं की संख्या**
बांग्लादेश	2
कंबोडिया	2

मोज़ाम्बिक	2
नेपाल	2
कनाडा	1
श्रीलंका	1
सीरिया	1
संयुक्त राज्य अमरीका	1
कुल	12

आरक्षित श्रेणी	**स्नातक**	**स्नातकोत्तर**
अनारक्षित	525	55
ओबीसी	342	32
एससी	211	16
एसटी	79	08
ई.डब्ल्यू.एस	123	12
दिव्यांग	19	-
पी.डब्ल्यू.डी.	41	-
विस्थापित कश्मीरी	10	-
खेल	31	-
ईसीए	14	-
वार्ड कोटा	5	-
अनाथ कोटा	4	-
पीएमएसएसएस	0	-
सिक्किम सरकार द्वारा नामांकित	1	-
विदेशी छात्राएं	12	-
कुल	1416	123

अकादमिक वर्ष 2023-2024 में 20 अक्टूबर, 2023 तक स्नातक में प्रवेश की स्थिति (भुगतान हो गया)

अकादमिक वर्ष 2023-2024 में 25 अक्टूबर, 2023 तक स्नातकोत्तर में प्रवेश की स्थिति (भुगतान हो गया)

वर्ष 2023-2024 में महाविद्यालय द्वारा छात्राओं को दी गई वित्तीय सहायता

क्रम संख्या	विवरण	छात्राओं की संख्या
1	छात्र शुल्क में पूर्ण छूट	90
2	छात्र शुल्क में आंशिक छूट	411
3	छात्रावास शुल्क में पूर्ण छूट	0
4	छात्रावास शुल्क में आंशिक छूट	14
5	सभी दिव्यांग छात्राओं के छात्र शुल्क में पूर्ण छूट	80
6	सभी दिव्यांग छात्राओं को छात्रावास शुल्क में पूर्ण/आंशिक छूट	18
7	सम्मेलन/कार्यशाला/सेमिनार आदि में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता	0
8	सरकार/अन्य एजेंसियों/ट्रस्टों/एनजीओ आदि से वित्तीय सहायता (2022-23)	247

सेवानिवृत्ति

शैक्षणिक

क्रम संख्या	नाम	विभाग का नाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
1	सुश्री नलिनी पांडा	वाणिज्य	28.02.2023
2	सुश्री सुषमा नीना कुमार वाणिज्य	वाणिज्य	30.06.2023

गैर- शैक्षणिक

क्रम संख्या	नाम	विभाग का नाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
1	श्री नारायण सिंह	छात्रावास	31.03.2023

<u>शोक संदेश</u>

महाविद्यालय अपने सहकर्मियों के दु:खद निधन पर शोक व्यक्त करता है।

शैक्षणिक कर्मचारी

1) सुश्री सुशील भारद्वाज

2) सुश्री सुंदरी सिद्धार्थ

3) सुश्री सुषमा प्रियदर्शिनी

4) सुश्री विजय वाधवा

गैर-शैक्षणिक कर्मचारी

1) श्री टी.एस. राजन